website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 331 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 07 नवम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

प्रधानमंत्री 8 नवंबर को करेंगे 'कानूनी सहायता वितरण तंत्र सशक्तिकरण' सम्मेलन का उद्घाटन

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 नवंबर को शाम लगभग 5 बजे भारत के सर्वोच्च न्यायालय में 'कानूनी सहायता वितरण तंत्र को सशक्त बनाने' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की ओर से तैयार सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण मॉड्यूल का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री सभा को भी संबोधित करेंगे।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में कानूनी सेवा ढांचे के प्रमुख पहलुओं जैसे कानूनी सहायता बचाव परामर्श प्रणाली, पैनल वकील, अर्ध-कानूनी स्वयंसेवक, स्थायी लोक अदालतें और कानूनी सेवा संस्थानों के वित्तीय प्रबंधन पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) का गठन विधिक सेवा प्राधिकरण (एलएसए) कानून, 1987 के तहत समाज के कमजोर वर्गों को मुफ्त और सक्षम कानूनी सेवाएं प्रदान करने के लिए किया गया था, जिसमें एलएसए कानून, 1987 की धारा 12 के तहत आने वाले लाभार्थी भी शामिल हैं, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण किसी भी नागरिक को न्याय हासिल करने के अवसर से वंचित न किया जाए और विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए लोक अदालतों का आयोजन किया जाए।

इसके अलावा, नालसा ने निवारक और रणनीतिक कानूनी सेवा कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न योजनाएं भी तैयार कीं, जिन्हें अलग-अलग स्तरों यानी राज्य, जिला और तालुका स्तर पर विधिक सेवा प्राधिकरणों की ओर से कार्यान्वित किया जाता है। पिछले तीन साल के दौरान विधिक सेवा प्राधिकरणों की ओर से किए गए अलग-अलग कार्यक्रमों के तहत कानूनी सहायता और सलाह के माध्यम से साल 2024-25 में 16,57,527 लोगों को लाभ मिला। 2022 से 2025 तक लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या 44,22,460 रही। केंद्रीय विधि और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने खुद संसद में यह जानकारी दी थी।

विधिक सेवा प्राधिकरण देश भर में बच्चों, मजदूरों, आपदा पीड़ितों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगजनों आदि से संबंधित विभिन्न कानूनों और योजनाओं के संबंध में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हैं। विधिक सेवा प्राधिकरण विभिन्न कानूनों पर सरल भाषा में पुस्तिकाएं और पैम्फलेट भी तैयार करते हैं, जिन्हें लोगों में वितरित किया जाता है।

लालू परिवार ने डाला वोट, जनता से बदलाव के लिए मतदान करने की अपील

बिहार। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बीच पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने गुरुवार को कहा कि मेरी सभी से अपील है कि वे वोट जरूर डालें। मैं सभी का धन्यवाद करती हूं और सभी से वोट डालने का आग्रह करती हूं।

राजद नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने अपने पूरे परिवार के साथ मतदान किया

पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान पूर्व सीएम ने कहा कि बिहार की जनता इस बार बदलाव करने जा रही है और महागठबंधन की सरकार आ रही है।राजद नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने अपने पूरे परिवार के साथ मतदान किया। राजद नेता मीसा भारती ने भी वोट डाला।

मीसा भारती ने मीडिया से कहा कि मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि सभी को अपने बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए वोट देना चाहिए

वोट डालने के बाद मीसा भारती ने मीडिया से कहा कि मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि सभी को अपने बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए वोट देना चाहिए। उन्होंने कहा मुझे संख्या की चिंता नहीं है, लेकिन हम निश्चित रूप से सरकार बनाने जा रहे हैं, क्योंकि युवा यही चाहते हैं और वे अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। युवाओं और बिहार की जनता ने तय कर लिया है कि इस बार तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। इस बार महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

बिहार की जनता पढ़ाई, दवाई, कमाई, सुनवाई, कार्रवाई के प्रण वाली तेजस्वी सरकार का आना सुनिश्चित करें

मीसा भारती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इस बार मतदान सरकारी नौकरी और रोजगार के लिए, इस बार मतदान नए बिहार के लिए। लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर लिखा कि बदलेगा बिहार बदलें सरकार। बिहार की जागरूक जनता जनार्दन से करबद्ध अनुरोध है कि बिहार बदलने के लिए राष्ट्रीय जनता दल महागठबंधन, इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में सक्रियता से आगे आकर बढ़चढ़ कर मतदान करें और बिहार में पढ़ाई, दवाई, कमाई, सुनवाई, कार्रवाई के प्रण वाली तेजस्वी सरकार का आना सुनिश्चित करें। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा कि ये चुनाव धर्मयुद्ध है, जो जनता नीतीश सरकार के खिलाफ लड़ रही है। विजय सत्य की होगी।

जापान में भालुओं का आतंक: सेना तैनात, 7 महीने में 100 हमले और 12 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान में भालुओं का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। हालात इतने बेकाबू हो गए हैं कि सरकार को सेना यानी सेल्फ-डिफेंस फोर्स (SDF) को मैदान में उतारना पड़ा है। अप्रैल से अब तक देशभर में 100 से अधिक भालू हमले दर्ज हुए हैं, जिनमें 12 लोगों की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में अकिता और इवाते प्रांत शामिल हैं। अकेले अकिता में भालू देखे जाने की घटनाएं 8,000 से ज्यादा हो गई हैं, जो पिछले साल की तुलना में छह गुना बढ़ोतरी है। स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर अकिता प्रांत के गवर्नर ने सेना से मदद मांगी। बुधवार को SDF के जवान काजुनो शहर पहुंचे, जहां वे स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर भालू पकड़ने के लिए स्टील जाल लगा रहे हैं। वहीं, ट्रेंड शिकारी भालुओं को मारने का काम कर रहे हैं। प्रशासन ने लोगों को घरों के बाहर घंटियां लगाने और तेज आवाजें करने की सलाह दी है ताकि भालू पास न आएं।

डर से स्कूल और इवेंट बंद:-

काजुनो में रहने वाले करीब 30 हजार लोग दहशत में हैं। उन्हें जंगलों से दूर रहने और रात में घर से बाहर न निकलने की हिदायत दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले भालू शहरों में नहीं आते थे, लेकिन अब वे सुपरमार्केट, रिज़ॉर्ट, बस स्टॉप और स्कूल परिसरों तक पहुंच रहे हैं। डर के चलते कई स्कूल अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए हैं। मेयर शिंजी सासामोतो ने बताया कि कई सार्वजनिक इवेंट भी स्थगित कर दिए गए हैं। सेना अब नवंबर के अंत तक काजुनो, ओडेट और किताअकिता जैसे इलाकों में मदद करेगी।

जलवायु परिवर्तन बना बड़ा कारण:-

पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, जलवायु परिवर्तन और जंगलों में भोजन की कमी के कारण भालू शहरों का रुख कर रहे हैं। अक्टूबर-नवंबर के दौरान भालू सर्दियों की नींद (हाइबरनेशन) से पहले ज्यादा भोजन जुटाते हैं, इसलिए इसी समय हमले बढ़ जाते हैं। सरकार ने ऐसे हालात में भालुओं को मारने के नियमों में ढील दी है। जापान में दो प्रजातियों के भालू पाए जाते हैं — एशियन ब्लैक बियर (130 किलो तक) और होक्काइडो बियर (400 किलो तक)। यह पहली बार नहीं है जब जंगली जानवरों पर काबू पाने के लिए जापान ने सेना की मदद ली हो। इससे पहले हिरण और सील की आबादी नियंत्रित करने के लिए भी सैनिकों की तैनाती की गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर जलवायु संकट और भोजन की कमी पर काबू नहीं पाया गया, तो आने वाले सालों में भालुओं का यह आतंक और बढ़ सकता है।

भारत-अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार, तकनीकी सहयोग और रक्षा समझौते पर की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने अमेरिकी सीनेटर स्टीव डेनिस से मुलाकात की और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों, 10-वर्षीय रक्षा फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर तथा तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। क्वात्रा ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि उन्होंने सीनेटर डेनिस, जो अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति के सदस्य हैं, का भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने में निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने एक्स (X) पर पोस्ट किया:

"सीनेटर स्टीव डेनिस से मुलाकात करना सम्मान की बात रही। भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने में उनके समर्थन के लिए धन्यवाद। हमने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों, 10-वर्षीय रक्षा फ्रेमवर्क समझौते और तकनीक व नवाचार के क्षेत्र में सहयोग के अवसरों पर विस्तृत चर्चा की। अमेरिका सीनेट में हमारे संबंधों की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका सराहनीय है।" बुधवार को क्वात्रा ने अमेरिका के दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के सहायक विदेश मंत्री पॉल कपूर की भारत हाउस में मेजबानी की। दोनों नेताओं ने साझा प्राथमिकताओं और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

क्वात्रा ने एक्स पर लिखा:

"भारत हाउस में सहायक विदेश मंत्री पॉल कपूर की मेजबानी कर खुशी हुई। साझा प्राथमिकताओं और भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर सार्थक चर्चा हुई।"

अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट के ब्यूरो ऑफ साउथ एंड सेंट्रल एशियन अफेयर्स ने कपूर के हवाले से पोस्ट किया:

"भारत हाउस में गर्मजोशी से मेजबानी के लिए राजदूत विनय मोहन क्वात्रा का धन्यवाद। द्विपक्षीय और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं, विशेषकर भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने के अवसरों पर बातचीत उपयोगी रही।" मंगलवार को व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बहुत सम्मान करते हैं और दोनों नेता "काफी बार" बातचीत करते हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप भारत-अमेरिका संबंधों को बहुत सकारात्मक दृष्टि से देखते हैं। उन्होंने हाल ही में व्हाइट हाउस में आयोजित दिवाली कार्यक्रम और सर्जियो गोर को नए अमेरिकी राजदूत के रूप में नियुक्त किए जाने को भारत-अमेरिका संबंधों के प्रति राष्ट्रपति की प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया। 21 अक्टूबर को व्हाइट हाउस में आयोजित दिवाली समारोह में ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को "एक महान नेता" कहा और भारतीय जनता के प्रति प्रेम प्रकट किया। इस कार्यक्रम में विनय मोहन क्वात्रा, सर्जियो गोर, एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल और नेशनल इंटेलिजेंस की निदेशक तुलसी गैबार्ड भी मौजूद थे। व्यापार वार्ताओं को लेकर लेविट ने कहा कि ट्रंप और उनकी टीम भारत के साथ "बहुत गंभीर और सक्रिय बातचीत" कर रहे हैं।

महिला विश्व कप जीत के बाद टीम इंडिया ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

नई दिल्ली। महिला विश्व कप 2025 का खिताब जीतने के बाद गुरुवार को भारतीय टीम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह मुलाकात नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में हुई, जहां राष्ट्रपति ने टीम इंडिया को जीत की बधाई दी। इस दौरान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को खिलाड़ियों के सिग्नेचर की हुई जर्सी भेंट की। कप्तान ने विश्व कप ट्रॉफी हाथों में लेकर राष्ट्रपति के साथ तस्वीरें भी क्लिक करवाईं। इसके साथ ही पूरी टीम भी राष्ट्रपति के साथ फोटो सेशन में नजर आई। इससे पहले, बुधवार को भारतीय टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 7 लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की थी। पीएम मोदी ने टीम को ऐतिहासिक जीत पर बधाई देते हुए खिलाड़ियों के साथ एक लंबी बातचीत की थी। इस दौरान उप कप्तान ने साल 2017 में हुई मुलाकात को याद करते हुए बताया कि पीएम मोदी की बातों ने

उन्हें मोटिवेट किया है। वह टीम के लिए प्रेरणास्त्रोत रहे हैं। रविवार को खेले गए खिताबी मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। टीम के लिए शेफाली वर्मा ने 78 गेंदों में 87 रन की पारी खेली, जबकि दीप्ति शर्मा ने 58 गेंदों में इतने ही रन बनाए। विपक्षी टीम की ओर से अयाबोंगा खाका ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम ने 45.3 ओवरों में लौरा वोल्वार्ड्ट ने 101 रन की शतकीय पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकीं। टीम इंडिया की ओर से दीप्ति शर्मा ने 39 रन देकर सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए। शेफाली वर्मा को 2 विकेट हाथ लगे। भारतीय महिला टीम ने पहली बार विश्व कप खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले वनडे फॉर्मेट के विश्व कप में टीम इंडिया साल 2005 और 2017 के फाइनल में जगह बना चुकी थी, लेकिन खिताब अपने नाम नहीं कर सकी। साल 2017 में उसे इंग्लैंड के हाथों 9 रन से करीबी हार का सामना करना पड़ा था।

बिहार विधानसभा चुनाव में दोपहर 3 बजे तक 53.77 प्रतिशत मतदान, बेगूसराय में सबसे अधिक वोटिंग

बिहार। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए गुरुवार को दोपहर 3:00 बजे तक 53.77 प्रतिशत मतदान हुआ।

राज्य के 18 जिलों में से बेगूसराय में सबसे अधिक 59.82 प्रतिशत मतदान हुआ, उसके बाद मुजफ्फरपुर में 58.40 प्रतिशत और गोपालगंज में 58.17 प्रतिशत मतदान हुआ। गौरतलब हो, पटना जिले में सभी जिलों की तुलना में धीमी गति से मतदान प्रतिशत 48.69 प्रतिशत दर्ज किया गया। लखीसराय जिले में 57.39 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि मधेपुरा में 55.96 प्रतिशत मतदान हुआ।

आज अपराह्न 3:00 बजे तक भोजपुर जिले में 50.07 प्रतिशत मतदान हुआ, इसके बाद बक्सर में 51.69 प्रतिशत, दरभंगा में 51.75 प्रतिशत, खगड़िया में 54.77 प्रतिशत, मुंगेर में 52.17 प्रतिशत, नालंदा में 52.32 प्रतिशत, सहरसा में 55.22 प्रतिशत, समस्तीपुर में 56.35 प्रतिशत, सारण में 54.60 प्रतिशत, शेखपुरा में 49.37 प्रतिशत, सिवान में 50.93 प्रतिशत और वैशाली में 53.63 प्रतिशत मतदान हुआ।

प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में, राघोपुर में 55.20 प्रतिशत मतदान हुआ। महुआ में 40.41 प्रतिशत, अलीनगर में प्रतिशत, तारापुर में 44.35 प्रतिशत, लखीसराय में 44.20 प्रतिशत, छपरा में 39.57 प्रतिशत, बांकीपुर में 25 प्रतिशत, फुलवारी में 40.98 प्रतिशत, रघुनाथपुर में 42.23 प्रतिशत, सीवान में 40.19 प्रतिशत और मोकामा में 41.78 फीसदी मतदान हुआ। इस बीच, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने विश्वास व्यक्त किया और कहा कि एनडीए "भारी बहुमत" के साथ चुनाव जीतेगा। पत्रकारों से बात करते हुए कुशवाहा ने कहा, "लोग हमारी उम्मीदों से कहीं ज़्यादा संख्या में एनडीए को वोट दे रहे हैं। बिहार भर से हमें जो रिपोर्ट मिल रही हैं, उसके अनुसार एनडीए बिहार में भारी बहुमत हासिल करने जा रहा है।"

आपको बता दें, सुबह 7 बजे बिहार के 121 विधानसभा सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया शुरू हुई। बिहार के उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी अशोक प्रियदर्शी ने जानकारी दी कि 121 विधानसभा क्षेत्रों में सभी मतदान केंद्रों पर मतदान निर्धारित समय पर शुरू हुआ था।

बिहार में 121 विधानसभा सीटों के लिए पहले चरण का मतदान शाम 6:00 बजे समाप्त होगा। सुरक्षा कारणों से, कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान का समय घटाकर शाम 5:00 बजे कर दिया गया है। शेष 122 निर्वाचन क्षेत्रों में दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान होगा। वहीं, मतगणना 14 नवंबर को होगी।

पाकिस्तान में आर्मी चीफ को मिलेगी और ताकत: संविधान संशोधन पर 14 नवंबर को वोटिंग

पाकिस्तान। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार संविधान में 27वां संशोधन लाने जा रही है, जिससे आर्मी चीफ को अधिक शक्तियां मिल सकती हैं और प्रांतों के फंड में कटौती संभव है। प्रस्तावित संशोधन के तहत संविधान के आर्टिकल 243 में बदलाव किया जाएगा, जो सेना प्रमुख की नियुक्ति और नियंत्रण से जुड़ा है। इस बदलाव से "कमांडर-इन-चीफ" नाम से एक नया संवैधानिक पद भी बनाया जा सकता है। इस संशोधन पर नेशनल असेंबली में 14 नवंबर को वोटिंग होगी। इसे देखते हुए सरकार ने सभी मंत्रियों के विदेशी दौरे रद्द कर दिए हैं। माना जा रहा है कि इससे सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर, जिनका कार्यकाल 2027 में खत्म होना है, को लंबे समय तक सत्ता में बने रहने का अधिकार मिल सकता है। इमरान खान की पार्टी PTI ने इसका कड़ा विरोध किया है।

डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार ने पुष्टि की कि संशोधन जल्द संसद में पेश किया जाएगा और यह प्रक्रिया संविधान और

कानून के दायरे में होगी। नेशनल असेंबली में 326 सदस्य हैं, जिनमें से 224 वोट संशोधन पास करने के लिए जरूरी हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन के पास 230 सीटें हैं, जिससे बिल के पारित होने की संभावना मजबूत है, हालांकि सीनेट में विरोध की आशंका है। यह विवाद तब बढ़ा जब PPP के चेयरमैन बिलावल भुट्टो ने दावा किया कि सरकार ने उनसे इस बिल पर समर्थन मांगा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपनी सहयोगी पार्टियों के नेताओं से मुलाकात कर उन्हें भरोसे में लेने की कोशिश की है। वहीं, PTI नेता हमीद खान ने आरोप लगाया कि सरकार संविधान को कमजोर कर सेना को राजनीतिक रूप से और शक्तिशाली बनाना चाहती है। यह संशोधन पाकिस्तान की राजनीतिक-सैन्य सत्ता संतुलन को और जटिल बना सकता है।

बिहार चुनाव: निर्वाचन आयोग ने राजद के मतदान बूथों पर बिजली काटने के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए जारी मतदान के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने आरोप लगाए हैं कि धीमा मतदान करने के उद्देश्य से महागठबंधन के मजबूत बूथों पर बिजली काटी जा रही है। हालांकि, निर्वाचन आयोग ने राजद के आरोपों का खंडन किया है।

राजद ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा...

राजद ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "प्रथम चरण की वोटिंग के मध्य में महागठबंधन के मजबूत बूथों पर धीमा मतदान करने के उद्देश्य से बीच-बीच में बिजली काट दी जा रही है। जानबूझकर स्लो वोटिंग कराई जा रही है।" राजद ने मांग करते हुए लिखा, "चुनाव आयोग ऐसी धांधली, बुरी नीयत और दुर्भावनापूर्ण इरादों पर बिना विलंब के संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई करे।"

बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दिया जवाब

बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जवाब देते हुए लिखा, "आरोप पूरी तरह निराधार और भ्रामक है। बिहार में सभी मतदान केंद्रों पर सुचारू रूप से मतदान चल रहा है। भारत निर्वाचन आयोग मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी

और निर्बाध बनाने के लिए सभी मानक प्रोटोकॉल का पालन कर रहा है। ऐसे भ्रामक प्रचार का कोई आधार नहीं है।"

निर्वाचन आयोग बिहार में जारी वोटिंग पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए रख रहा नजर

निर्वाचन आयोग बिहार में जारी वोटिंग पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी नजर रख रहा है। गुरुवार सुबह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त पहली बार 100 प्रतिशत मतदान केंद्रों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की निगरानी के लिए चुनाव आयोग के नियंत्रण कक्ष में पहुंचे।

बिहार के 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों के लिए पहले चरण में मतदान जारी

फिलहाल, बिहार के 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों के लिए पहले चरण में मतदान सुबह 7 बजे से जारी है। शुरुआती घंटों में 27.65 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। जिला स्तर पर बेगूसराय में 11 बजे तक सबसे अधिक (30.37 प्रतिशत) मतदान हुआ है। वहीं, अब तक पटना जिले में सबसे कम (23.71 प्रतिशत) वोट पड़े हैं।चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, विधानसभा सीट के हिसाब से सुबह 11 बजे तक गरखा में सबसे अधिक 33.70 प्रतिशत वोट डाले गए हैं। इसके अलावा 12 अन्य सीटें हैं, जहां 30 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज हुआ है। इनमें इसके बाद चेरिया बरियारपुर (33.32 प्रतिशत), पारू (32.81 प्रतिशत), मीनापुर (32.46 प्रतिशत), हथुआ (32.40 प्रतिशत), सहरसा (32.17 प्रतिशत), वारिसनगर (31.87 प्रतिशत), सूर्यागढ़ (31.85 प्रतिशत), पालीगंज (31.53), मसौढ़ी (31.46 प्रतिशत), वैशाली (31.24 प्रतिशत), खगड़िया (30.22 प्रतिशत) और लालगंज (30.12 प्रतिशत) शामिल हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

बढ़ता तापमान: दक्षिण एशिया में मौत का मौसम बनती गर्मी, वैज्ञानिकों की गंभीर चेतावनी

धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है और इसके परिणाम अब किसी कल्पना का विषय नहीं, बल्कि कड़वी सच्चाई बन चुके हैं। वैज्ञानिकों की ताज़ा रिपोर्टें इस बात की पुष्टि करती हैं कि ग्लोबल वार्मिंग अब सीधा इंसानी जीवन के अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर रही है। दक्षिण एशिया के देशों—भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश—के लिए यह खतरा और भी भयावह होता जा रहा है क्योंकि यह क्षेत्र न सिर्फ घनी आबादी वाला है, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति बेहद संवेदनशील भी है। एक अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हालिया अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2045 तक दक्षिण एशिया में हर घंटे औसतन 46 लोग अत्यधिक गर्मी के कारण अपनी जान गंवा सकते हैं। यह आंकड़ा चौंकाने वाला तो है ही, पर इससे भी अधिक चिंता इस बात की है कि चौबीस घंटे में लगभग 1100 से अधिक मौतें सिर्फ बढ़ते तापमान की वजह से हो सकती हैं। इन आंकड़ों को अगर गंभीरता से देखा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि आने वाले दो दशकों में गर्मी से होने वाली मौतें किसी महामारी जैसी स्थिति पैदा कर सकती हैं। गर्मी से मौतें कोई नया घटनाक्रम नहीं हैं। भारत में हर वर्ष सैकड़ों लोग लू (हीट वेव) की चपेट में आकर जान गंवाते हैं। मगर अब यह संख्या खतरनाक गति से बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण एशिया में हर साल दो लाख से अधिक लोग अत्यधिक गर्मी की वजह से मर रहे हैं और यह संख्या 2045 तक दोगुनी हो सकती है। इसका सीधा मतलब है कि अगर तुरंत कदम नहीं उठाए गए तो यह क्षेत्र "हीट डेथ जोन" में तब्दील हो सकता है, जहां गर्मी से बच पाना मुश्किल होगा। इस संकट की जड़ में मानव गतिविधियाँ हैं—बेतहाशा औद्योगिकीकरण, जंगलों की कटाई, अनियंत्रित शहरीकरण और जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक प्रयोग। इन सबने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ा दी है। परिणामस्वरूप, पृथ्वी का औसत तापमान पिछले सौ वर्षों में करीब 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। यह छोटा-सा बढ़ाव दिखने में मामूली लगता है, पर इसका असर व्यापक है—बर्फ पिघलना, समुद्र स्तर बढ़ना, बारिश के पैटर्न में बदलाव, और हीटवेव जैसी चरम मौसमी घटनाओं में बढ़ोतरी। भारत जैसे देशों के लिए यह समस्या कई गुना गंभीर है क्योंकि यहां बड़ी आबादी गरीबी रेखा के नीचे रहती है और उनके पास न तो ठंडक के साधन हैं और न ही पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएँ। ग्रामीण इलाकों में काम करने वाले मज़दूर, सड़क किनारे रहने वाले परिवार और बुज़ुर्ग लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। शहरों में भी "हीट आइलैंड इफेक्ट" यानी सीमेंट-कंक्रीट के ढांचों से निकलने वाली गर्मी स्थिति को और बिगाड़ रही है। इस संकट से निपटने के लिए केवल अंतरराष्ट्रीय समझौते या कागज़ी घोषणाएँ काफी नहीं होंगी। ज़रूरत है ठोस कदमों की—जैसे नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ाना, पेड़ों की संख्या में इज़ाफा करना, शहरी इलाकों में हरित छतें (ग्रीन रूफ) और वाटर हार्वेस्टिंग को प्रोत्साहन देना।

दिशाहीनता : हर चुनाव में नई रणनीति में बुराई नहीं, लेकिन वैचारिक निरंतरता तो दिखनी चाहिए

-कांग्रेस का असली संकट चुनावी नहीं, बल्कि विचारधारा और पहचान का है

भारतीय राजनीति के इतिहास में कांग्रेस का नाम उस पार्टी के रूप में दर्ज है जिसने न केवल स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया, बल्कि आज़ादी के बाद भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को आकार भी दिया। लेकिन 21वीं सदी के तीसरे दशक में वही कांग्रेस एक गहरे अस्तित्व-संकट से जूझ रही है। 2014 में केवल 44 सीटें, 2019 में 52 और 2024 में 99 सीटों तक सीमित रह जाना केवल चुनावी हार नहीं, बल्कि वैचारिक और संगठनात्मक दिशाहीनता का परिणाम है। हर चुनाव में नई रणनीतियाँ बनाना राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन जब पार्टी की नीतियाँ और विचारधारा हर अवसर पर बदलती दिखें, तब जनता के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि कांग्रेस आखिर किस दिशा में जा रही है? कांग्रेस का मूल संकट यह है कि वह सत्ता प्राप्ति के लिए अपनाए गए अवसरवादी कदमों और अपने पारंपरिक विचारधारा — धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद और सर्वधर्म समभाव — के बीच संतुलन नहीं बना पा रही।

कांग्रेस की वैचारिक जड़ें और उसके पतन की शुरुआत

कांग्रेस का जन्म औपनिवेशिक शासन के विरोध में हुआ था। प्रारंभिक कांग्रेस का चरित्र राष्ट्रीय आंदोलन का था, न कि सत्ता प्राप्ति का। महात्मा गांधी, नेहरू, पटेल, मौलाना आज़ाद जैसे नेताओं ने इसे एक सर्वसमावेशी मंच बनाया जहाँ विचारों की विविधता थी, लेकिन लक्ष्य एक — राष्ट्रीय एकता और सामाजिक न्याय। पंडित नेहरू के काल में कांग्रेस का वैचारिक आधार स्पष्ट था — धर्मनिरपेक्षता के प्रति प्रतिबद्धता, लोकतांत्रिक समाजवाद की दिशा में नीतियाँ, और विज्ञान, तर्क व आधुनिकता में विश्वास। नेहरू ने भारत को

साम्प्रदायिक राजनीति से दूर रखते हुए एक ऐसे राज्य की कल्पना की थी जो धर्म और राजनीति को अलग रखे। परंतु उनके बाद जब कांग्रेस परिवारवाद और सत्ता-केंद्रित मानसिकता की गिरफ्त में आई, तो यह विचारधारा धीरे-धीरे व्यावहारिक राजनीति की भेंट चढ़ गई।

इंदिरा गांधी काल: सशक्त नेतृत्व बनाम लोकतांत्रिक गिरावट

इंदिरा गांधी ने 1969 में कांग्रेस को दो हिस्सों में बाँटकर अपने नेतृत्व में कांग्रेस (आई) का निर्माण किया। यह वह मोड़ था जब संगठन की जगह व्यक्तित्व केंद्रित राजनीति का दौर शुरू हुआ।

आपातकाल (1975-77): आपातकाल के दौरान प्रेस पर प्रतिबंध, विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी और संविधान में संशोधन जैसे कदमों ने कांग्रेस की लोकतांत्रिक छवि को गहरा नुकसान पहुँचाया।

जनता ने 1977 में इंदिरा गांधी को कठोर दंड दिया, परन्तु विपक्षी दलों की सत्ता-लोलुपता और अस्थिरता के कारण 1980 में वह पुनः सत्ता में लौट आईं। इंदिरा गांधी का "गरीबी हटाओ" नारा सामाजिक न्याय के एजेंडे के रूप में लोकप्रिय तो हुआ, लेकिन इसने अर्थनीति की दिशा को राजनीतिक लाभ के लिए मोड़ दिया। परिणामस्वरूप कांग्रेस का चरित्र कल्याणकारी राज्य से लोकलुभावन राज्य में बदलता गया।

राजीव गांधी काल: आधुनिकता और भ्रम का संगम

राजीव गांधी को भारत में आधुनिकता का प्रतीक माना गया — कंप्यूटर, दूरसंचार और तकनीकी विकास की दिशा में उन्होंने ऐतिहासिक कदम उठाए। परंतु उनके शासनकाल में कांग्रेस की सबसे बड़ी कमजोरी उजागर हुई — विचारधारा और सत्ता के बीच असंतुलन।

शाहबानो केस (1985): सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने मुस्लिम महिला शाहबानो को तलाक के बाद गुज़ारा भत्ता देने का अधिकार दिया था। लेकिन मुस्लिम वोट बैंक खोने के डर से कांग्रेस सरकार ने संसद में कानून बनाकर यह फैसला पलट दिया। यह कदम कांग्रेस की धर्मनिरपेक्षता पर पहला गहरा दाग था, क्योंकि इसने यह संदेश दिया कि पार्टी न्याय से ज़्यादा वोट की राजनीति को प्राथमिकता देती है।

राम जन्मभूमि ताला खोलना (1986): राजीव गांधी ने राम मंदिर का ताला खुलवाने का निर्णय लेकर हिंदू मतदाताओं को साधने की कोशिश की। परिणामस्वरूप कांग्रेस पर दोनों तरफ़ खुशामद की राजनीति का आरोप लगा।

यहीं से भाजपा ने कांग्रेस पर "अल्पसंख्यक तुष्टिकरण" का ठप्पा लगाया और हिंदुत्व राजनीति को वैधता मिली। इन दोनों निर्णयों ने कांग्रेस की दशकों पुरानी धर्मनिरपेक्ष छवि को तोड़ दिया और भाजपा को विचारधारा के मोर्चे पर एक स्थायी आधार प्रदान किया।

मंडल, कमंडल और कांग्रेस का खोता जनाधार (1990–2004)

1989 के बाद भारत की राजनीति दो नई धाराओं में बँट गई — मंडल राजनीति (आरक्षण और सामाजिक न्याय की मांग) और कमंडल राजनीति (हिंदुत्व आधारित लामबंदी)। कांग्रेस दोनों के बीच अपनी स्थिति तय नहीं कर पाई। वी.पी. सिंह ने मंडल आयोग की सिफारिशें लागू कीं, जिससे पिछड़ी जातियों की राजनीति उभरी। उधर भाजपा ने राम मंदिर आंदोलन के ज़रिए हिंदू भावनाओं को राजनीतिक ऊर्जा में बदल दिया। कांग्रेस न तो मंडल के पक्ष में खुलकर आई, न कमंडल के विरोध में मजबूती से खड़ी हो सकी। यह वही समय था जब कांग्रेस पहली बार राष्ट्रीय राजनीति में केंद्रीय भूमिका खोने लगी।

यूपीए युग (2004–2014): सामाजिक योजनाएँ, पर कमजोर नैरेटिव

2004 में कांग्रेस ने अप्रत्याशित रूप से सत्ता पाई, और यूपीए सरकार बनी। मनमोहन सिंह की आर्थिक नीतियाँ और सोनिया गांधी का राजनीतिक नियंत्रण इस दौर की विशेषता रहे। मनरेगा, आरटीई, खाद्य सुरक्षा जैसी योजनाओं ने जनता से जुड़ाव बढ़ाया, लेकिन पार्टी विचारधारा पर नहीं, सहयोगियों की मजबूरी पर टिकी रही।

यूपीए का वैचारिक भ्रम: वाम दलों के दबाव में आर्थिक सुधारों को रोकना, क्षेत्रीय दलों के डर से भ्रष्टाचार पर ढीला रुख, और 'धर्मनिरपेक्षता' के नाम पर नकारात्मक हिंदुत्व-विरोध। इन सबने कांग्रेस को रिएक्टिव पार्टी बना दिया — जो प्रतिक्रिया देती है, पर पहल नहीं करती। भाजपा ने इसी खाली जगह को "मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट विचारधारा" से भर दिया।

वर्तमान युग (2014–2024): नेतृत्व बनाम वैचारिकता का संकट

2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा का उदय केवल कांग्रेस की हार नहीं थी, बल्कि एक वैचारिक पराजय थी।

कांग्रेस इस दौर में तीन बड़े संकटों से जूझ रही है —

वैचारिक अस्पष्टता: पार्टी न तो खुलकर धर्मनिरपेक्षता की पुरानी व्याख्या पर खड़ी होती है, न ही "सॉफ्ट हिंदुत्व" के प्रयोग से पीछे हटती है। कभी राहुल गांधी कुलदेवता के मंदिरों में पूजा कर हिंदू वोट साधने की कोशिश करते हैं, तो कभी अल्पसंख्यक सुरक्षा की बात करते हैं।

इस दोहरे रुख से पार्टी की छवि अस्थिर और अविश्वसनीय बनती है।

नेतृत्व का प्रश्न: संगठन राहुल गांधी की लोकप्रियता पर टिका है, पर नेतृत्व में निरंतरता नहीं। 2019 के बाद इस्तीफे और बार-बार पुनः नेतृत्व स्वीकार करने की प्रक्रिया ने कार्यकर्ताओं में भ्रम पैदा किया।

गठबंधन पर निर्भरता: 2024 के चुनाव में कांग्रेस का "INDIA गठबंधन" पर निर्भर रहना उसकी कमजोरी को उजागर करता है। कई राज्यों में पार्टी ने अपनी ज़मीन खो दी है — बंगाल में तृणमूल, बिहार में राजद, तेलंगाना में बीआरएस, आंध्र में वाईएसआरसीपी, महाराष्ट्र में एनसीपी-शिवसेना के साथ गठबंधन के बावजूद भी संगठनिक गिरावट जारी है। कांग्रेस आज खुद मुद्दे तय करने वाली पार्टी नहीं रही, बल्कि साझेदारों के एजेंडे की अनुयायी बन गई है।

कांग्रेस का वैचारिक पुनर्निर्माण क्यों ज़रूरी है

भारत की राजनीति में विचारधारा केवल चुनावी नारा नहीं, बल्कि जनता के मन में स्थायी भरोसा।

हादसों की रोकथाम के लिए सड़क सुरक्षा को जन मुहिम बनाना होगा

-बैठकों और कागज़ी अभियानों से आगे बढ़कर ज़मीनी सुधार की ज़रूरत

भारत जैसे विशाल देश में सड़कें केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि विकास की धमनियाँ हैं। इन धमनियों में अगर खून की जगह हादसे बहने लगें, तो यह किसी भी सभ्य समाज के लिए चेतावनी की घंटी है। हर दिन सैकड़ों लोग सड़क पर अपनी जान गंवा रहे हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि देश में हर दिन औसतन 474 लोग सड़क हादसों में मौत का शिकार बनते हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या 25 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की है। यह आंकड़ा न केवल भयावह है बल्कि उस विफल नीति और लापरवाही की ओर इशारा करता है, जो सड़क सुरक्षा को केवल एक "औपचारिकता" के रूप में देखती है। राजस्थान की स्थिति और भी चिंताजनक है। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, सड़क हादसों के मामले में राजस्थान देश में छठे स्थान पर है। वर्ष 2018 से 2022 के बीच राज्य में एक लाख 8922 सड़क हादसों में 51,280 लोगों की मौत हुई। यह संख्या किसी महामारी से कम नहीं, बल्कि एक मौन आपदा है, जो हर दिन सड़कों पर किसी का भविष्य, किसी का परिवार और किसी की उम्मीद छीन लेती है।

सड़क हादसों की जमीनी हकीकत

राज्य के शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में सड़क हादसे आम हो चुके हैं। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, भीलवाड़ा, कोटा, अजमेर जैसे शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक हादसों की खबरें लगातार आती रहती हैं। सड़क सुरक्षा समितियाँ और प्रशासनिक बैठकें तो होती हैं, लेकिन उनमें ज्यादातर खानापूर्ति ही की जाती है। ब्लैक स्पॉट्स (जहां लगातार हादसे होते हैं) की पहचान तो कई बार हो चुकी है, पर सुधार के उपाय या तो अधूरे रह जाते हैं या फिर कुछ समय बाद भूल दिए जाते हैं। केवल तब ध्यान जाता है जब कोई बड़ा हादसा मीडिया की सुर्खी बन जाता है। ग्रामीण इलाकों में समस्या और गंभीर है—अक्सर सड़कों पर उचित साइनबोर्ड नहीं होते, रात में रोशनी की व्यवस्था नहीं होती, और जगह-जगह गड्ढे या अधूरी सड़कें लोगों की जान के लिए खतरा बन जाती हैं। कई जगहों पर बिना सुरक्षा दीवार या रेलिंग के पुल बने हैं, जिन पर ज़रा-सी चूक से वाहन खाई में जा गिरते हैं।

यातायात पुलिस की भूमिका और कमज़ोरियाँ

शहरों में ट्रैफिक पुलिस की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है, लेकिन हालात यह हैं कि यातायात नियंत्रण अब 'बोझ' बन चुका है। कई शहरों में पुलिसकर्मी सड़क पर मौजूद तो होते हैं, पर उनका ध्यान मोबाइल या दूसरे कामों में लगा रहता है। परिणाम यह कि लोग यातायात नियमों की खुली अनदेखी करते हैं। बिना हेलमेट दोपहिया चलाना, बिना सीट बेल्ट कार चलाना, रेड लाइट पार करना, गलत दिशा में वाहन चलाना या मोबाइल पर बात करते हुए गाड़ी चलाना—ये सब अब आम हो गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि आम जनता में यह भावना घर कर चुकी है कि "कोई रोकने वाला नहीं है"। तकनीकी रूप से भारत ने काफी तरक्की की है, लेकिन स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम का उपयोग बहुत सीमित है। सीसीटीवी कैमरे, स्वचालित चालान प्रणाली और इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम जैसी सुविधाएँ केवल चुनिंदा शहरों में लागू हैं। अगर इन तकनीकों का विस्तार किया जाए, तो न केवल नियमों का पालन बेहतर होगा बल्कि हादसों में भी कमी लाई जा सकती है।

सड़क निर्माण और डिज़ाइन की खामियाँ

सड़क हादसों के पीछे केवल मानवीय लापरवाही ही नहीं, बल्कि सड़क निर्माण की खामियाँ भी अहम भूमिका निभाती हैं। कई सड़कों पर मोड़ बहुत तीखे होते हैं, कहीं डिवाइडर गायब होते हैं, तो कहीं अचानक सड़क संकरी हो जाती है। इन खामियों को सुधारने की बजाय अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है। ब्लैक स्पॉट्स का अध्ययन और सुधार एक सतत प्रक्रिया होनी चाहिए, लेकिन हमारे यहाँ यह प्रक्रिया केवल तब सक्रिय होती है जब किसी जगह पर मौतें बढ़ जाती हैं। इसके बाद थोड़ी बहुत मरम्मत या बोर्ड लगाकर फाइल बंद कर दी जाती है। यह रवैया सड़क सुरक्षा को मज़ाक बना देता है।

ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग और नशे में ड्राइविंग

भारत में ओवरस्पीडिंग सड़क हादसों का सबसे बड़ा कारण है। मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि करीब 68 प्रतिशत हादसे तेज़ गति से वाहन चलाने की वजह से होते हैं। नेशनल हाइवे पर तो यह स्थिति और भयावह है, जहां ट्रक और बसें 100 किमी/घंटा से ऊपर की गति से दौड़ती हैं। ओवरलोडिंग भी एक बड़ा खतरा है। ट्रकों में क्षमता से दोगुना माल भरा जाता है, जिससे ब्रेकिंग सिस्टम कमजोर पड़ जाता है और गाड़ी का संतुलन बिगड़ जाता है। प्रशासन की चेक पोस्ट पर जांच के बावजूद यह समस्या खत्म नहीं हो पा रही, क्योंकि भ्रष्टाचार और मिलीभगत इसमें बाधा बन रही है। नशे में वाहन चलाना एक और गंभीर अपराध है, लेकिन इस पर निगरानी के इंतजाम न के बराबर हैं। शराब पीकर ड्राइव करने वाले न केवल अपनी बल्कि दूसरों की जान भी जोखिम में डालते हैं। हर शहर में "ड्रंक ड्राइव टेस्ट" तो होते हैं, पर वे भी केवल त्योहारों या विशेष अभियानों तक सीमित रहते हैं।

पैदल यात्रियों और साइकिल सवारों की सुरक्षा

हमारे सड़क तंत्र का एक बड़ा वर्ग वह है जो वाहन नहीं चलाता, बल्कि पैदल चलता है या साइकिल का इस्तेमाल करता है। दुर्भाग्य से, यही वर्ग सबसे अधिक असुरक्षित है। सड़क किनारे फुटपाथ गायब हैं, ज़ेब्रा क्रॉसिंग मिट चुकी हैं, और जहां हैं भी, वहां लोग वाहन रोकते नहीं। सिग्नल पर पैदल यात्री हरी बत्ती की प्रतीक्षा करते हैं, लेकिन तेज़ गति से आती गाड़ियाँ उन्हें पार करने का मौका नहीं देतीं। यूरोपीय देशों में पैदल यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है, जबकि हमारे यहाँ पैदल चलना "गरीबों का काम" मान लिया गया है। यही मानसिकता बदलने की जरूरत है।

सड़क सुरक्षा शिक्षा और जनजागरूकता

सड़क सुरक्षा केवल पुलिस या सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का विषय है। स्कूलों और कॉलेजों में सड़क सुरक्षा को एक विषय के रूप में शामिल किया जाना चाहिए ताकि बच्चे छोटी उम्र से ही नियमों का महत्व समझें। कई देशों में "रोड सेफ्टी एजुकेशन" अनिवार्य है, जिससे वहां के नागरिक सड़क पर बेहद अनुशासित होते हैं। भारत में भी अगर ड्राइविंग लाइसेंस से पहले सड़क सुरक्षा का प्रशिक्षण और टेस्ट अनिवार्य किया जाए, तो लापरवाही कम हो सकती है। टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया और स्थानीय अखबारों के माध्यम से लगातार जागरूकता अभियान चलाने होंगे। सिर्फ "एक हफ्ते का रोड सेफ्टी वीक" मनाने से कुछ नहीं होगा, इसे सालभर की जन मुहिम बनाना होगा।

प्रशासनिक और नीति-स्तरीय सुधार की जरूरत

सड़क सुरक्षा का जिम्मा अलग-अलग विभागों में बंटा हुआ है।

उच्च शिक्षा में प्रतिस्पर्धा का नया दौर : भारत में विदेशी विश्वविद्यालय, गुणवत्ता और समानता का सवाल

-शिक्षा के बाजारीकरण, समानता और भारतीयता को संतुलित रखने की चुनौती

भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रवेश को लेकर पिछले कुछ वर्षों से शिक्षा जगत में गहन चर्चा जारी है। यह कदम न केवल शिक्षा क्षेत्र की दिशा बदलने वाला है, बल्कि इसका सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव भी गहरा होने वाला है। विदेशी विश्वविद्यालयों का भारत में आगमन केवल शिक्षण संस्थानों का विस्तार नहीं, बल्कि वैश्विक शिक्षा व्यवस्था में भारत की नई भूमिका का संकेत है। यह बदलाव भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के उस दृष्टिकोण से जुड़ा हुआ है, जिसमें शिक्षा को "वैश्विक उत्कृष्टता और समान अवसरों" के साथ जोड़ने की बात कही गई है।

भारत में उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति

भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उच्च शिक्षा तंत्र रखता है। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की संख्या के लिहाज से भारत में शिक्षा व्यवस्था बहुत विशाल है। परंतु, इसके बावजूद गुणवत्ता, समानता और रोजगारपरक शिक्षा की दृष्टि से अभी भी बहुत काम बाकी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) की रिपोर्ट बताती है कि भारत में हर साल लाखों छात्र विदेशों में पढ़ाई के लिए जाते हैं। QS और Times Higher Education जैसी विश्व रैंकिंग्स में भारतीय विश्वविद्यालयों की हिस्सेदारी बहुत सीमित है। शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार का स्तर अभी भी औसत दर्जे का माना जाता है। ऐसे में विदेशी विश्वविद्यालयों का प्रवेश इस "गुणवत्ता अंतराल" को पाटने का एक अवसर माना जा सकता है। लेकिन इसके साथ ही यह सवाल भी उठता है कि क्या विदेशी विश्वविद्यालयों की मौजूदगी से भारत की अपनी शिक्षा व्यवस्था मज़बूत होगी या वह केवल एक "शिक्षा बाजार" बनकर रह जाएगी?

विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत आने की पृष्ठभूमि

विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपने संस्थान खोलने की दिशा में लंबे समय से रुचि दिखाते रहे हैं। 2009 में Foreign Education Providers Bill लाया गया था, लेकिन राजनीतिक मतभेदों के चलते इसे मंजूरी नहीं मिल पाई। 2020 में आई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) ने पहली बार विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में "प्रत्यक्ष परिसर (Campus)" स्थापित करने की अनुमति देने की बात कही। 2023 में UGC ने दिशा-निर्देश जारी किए, जिनमें शीर्ष 500 वैश्विक रैंकिंग वाले विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में शाखा खोलने की अनुमति दी गई। यह कदम भारत सरकार की उस नीति का हिस्सा है जिसमें शिक्षा को निवेश और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का नया क्षेत्र माना जा रहा है।

विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए भारत क्यों आकर्षक है

भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों की दिलचस्पी के कई कारण हैं— युवा आबादी: भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा देश है। 18 से 25 वर्ष की आयु के करोड़ों छात्र उच्च शिक्षा के लिए तैयार हैं। बढ़ता मध्यम वर्ग: आर्थिक वृद्धि के साथ शिक्षा पर खर्च करने की क्षमता भी बढ़ी है। सरकारी सहयोग: NEP-2020 और UGC के नए नियम विदेशी संस्थानों के लिए आकर्षक नीति वातावरण तैयार कर रहे हैं। कम संचालन लागत: भारत में बुनियादी ढांचा और मानव संसाधन की लागत पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम है। एशिया में शिक्षा का केंद्र बनने की संभावना: चीन और सिंगापुर जैसे देशों की तर्ज पर भारत भी शिक्षा हब बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इन कारणों से यह भारत और विदेशी विश्वविद्यालयों, दोनों के लिए एक "विन-विन स्थिति" मानी जा रही है।

भारत के लिए संभावित लाभ

विदेशी विश्वविद्यालयों के आगमन से भारत को कई तरह के अवसर मिल सकते हैं — शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार: विदेशी संस्थान वैश्विक स्तर के पाठ्यक्रम, शोध प्रणाली और शिक्षण पद्धतियों को भारत में लाएंगे। प्रतिस्पर्धा से नवाचार: भारतीय विश्वविद्यालयों पर गुणवत्ता बढ़ाने का दबाव बनेगा जिससे नवाचार और अनुसंधान में वृद्धि होगी। विदेश जाने की आवश्यकता में कमी: जो छात्र विदेश में शिक्षा लेना चाहते हैं, उन्हें अपने देश में ही वैसी सुविधाएं और पाठ्यक्रम मिल सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय सहयोग: विदेशी और भारतीय विश्वविद्यालयों के बीच डुअल डिग्री, क्रेडिट ट्रांसफर और एक्सचेंज प्रोग्राम्स से छात्रों को वैश्विक exposure मिलेगा। रोजगार के नए अवसर: उच्च शिक्षा क्षेत्र में अकादमिक, प्रशासनिक और तकनीकी नौकरियों में वृद्धि होगी।

प्रमुख चिंताएँ और चुनौतियाँ

जहाँ एक ओर अवसर हैं, वहीं दूसरी ओर कई गंभीर चिंताएँ भी हैं —

शिक्षा का बाजारीकरण: विदेशी विश्वविद्यालय लाभ कमाने की दृष्टि से भारत आ सकते हैं। इससे शिक्षा का मूल उद्देश्य — ज्ञान और सामाजिक विकास — पीछे छूट सकता है। उच्च शुल्क वाले कोर्स केवल संपन्न वर्ग तक सीमित हो सकते हैं।

समानता पर असर: ग्रामीण और पिछड़े तबकों के छात्र पहले ही गुणवत्ता वाली शिक्षा से वंचित हैं। यदि विदेशी विश्वविद्यालय केवल मेट्रो शहरों में केंद्र खोलेंगे, तो शिक्षा का असमान वितरण और गहरा जाएगा।

सांस्कृतिक और बौद्धिक प्रभाव: विदेशी पाठ्यक्रमों के बढ़ते प्रभाव से भारतीय ज्ञान परंपरा और सामाजिक संदर्भ कमजोर पड़ सकते हैं। शिक्षा का स्थानीय संदर्भ खो सकता है।

नियामक नियंत्रण का प्रश्न: UGC और सरकार के सामने यह चुनौती होगी कि इन विश्वविद्यालयों की मान्यता, फीस संरचना, और डिग्री मानक को कैसे नियंत्रित किया जाए ताकि वे भारतीय छात्रों का शोषण न करें।

ब्रेन ड्रेन का नया रूप: विदेशी विश्वविद्यालय भारत में पढ़ाई के साथ विदेश में अवसरों के नए रास्ते खोल सकते हैं। इससे भारतीय प्रतिभाएं फिर विदेशी अर्थव्यवस्थाओं की ओर आकर्षित हो सकती हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) की भूमिका

NEP 2020 ने शिक्षा को "वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप" बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें कहा गया है कि विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में शाखा खोलने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन यह अनुमति केवल उच्च गुणवत्ता वाले संस्थानों को मिलेगी। यह नीति तीन प्रमुख बातों पर ज़ोर देती है — शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण, अनुसंधान-उन्मुख शिक्षण पद्धति, और शिक्षा में समान अवसरों की गारंटी।

सड़क सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार सख्त:

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर नगरीय निकायों में विशेष अभियान

-डिवाइडर व फुटपाथ रिपेयरिंग, यातायात संकेतक लगाने एवं स्वच्छता संबंधी कार्य होंगे व्यापक स्तर पर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार नगरीय विकास विभाग ने सभी नगरीय निकायों को प्रगतिरत एवं आवश्यकतानुसार नवीन कार्यों को विशेष अभियान चलाकर आगामी 30 दिसम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा और नागरिक सुविधा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रत्येक नगरीय क्षेत्र में सड़क नवीनीकरण, फुटपाथ व डिवाइडर मरम्मत एवं रखरखाव, स्वच्छता और यातायात संकेतक कार्य त्वरित गति से पूर्ण किए जाएं।

फ्लाईओवर, ओवरब्रिज, अण्डरपास आदि के प्रारम्भ स्थलों पर लगाए जाएंगे रेट्रोरिफ्लेक्टिव बोर्ड —

मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देशानुसार सभी नगरीय निकायों में विशेष अभियान चलाकर अनाधिकृत रोड़ कट तत्काल बन्द किए जाएंगे एवं सडकों के जंक्शन के आस-पास अनावश्यक झाड़ियों को हटाया जाएगा। इसी तरह सड़कों के जंक्शन पर आवश्यकतानुसार स्लिप लेन निर्माण, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज, अण्डरपास आदि के प्रारम्भ स्थलों एवं घुमाव पर वाहन खड़े नहीं करने सहित अन्य गतिविधियों के लिए रेट्रोरिफ्लेक्टिव बोर्ड लगाए जाएंगे। जेब्रा क्रॉसिंग, थर्मोप्लास्ट पेन्ट एवं सडक डिवाइडर के रंग-रोगन के कार्य नियमित रूप से किये जाएंगे। साथ ही, नगरीय क्षेत्र की सड़कों के नवीनीकरण के समस्त कार्य आगामी 31 मार्च तक आवश्यक रूप से पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त नगरीय निकाय द्वारा निर्माण स्थल पर जिम्मेदार अधिकारियों एवं संवेदको की सूचना, कार्य की लागत राशि एव समयावधि की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी ताकि आमजन द्वारा किसी भी असुविधा की स्थिति में संबंधित अधिकारी से सम्पर्क किया जा सके।

क्षतिग्रस्त फेरोकवर एवं मैनहोल कवर का होगा मेंटीनेंस,लगाए जाएंगे सांकेतिक रिफ्लेक्टिव बोर्ड—

इसी तरह आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चलाकर डिवाइडर एवं फुटपाथ रिपेयर के कार्य किए जाएंगे। इस दौरान निकाय क्षेत्रों में खुले नाले-नालियों को सुरक्षित रूप से ढकने, क्षतिग्रस्त फेरोकवर एवं सीवर लाइन के मैनहोल कवर के मेंटीनेंस का काम भी व्यापक स्तर पर किया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका नहीं रहे। इसी तरह भीड़भाड़ वाले स्थानों पर डिवाइडर पर मजबूत रेलिंग की पुख्ता व्यवस्था भी की जाएगी। नगरीय निकाय द्वारा विशेष तौर पर नियमित रूप से अलग-अलग क्षेत्रों का चिन्हीकरण कर फुटपाथों व सड़कों से अतिक्रमण हटवाए जाएंगे एवं व्यावसायिक वाहनों हेतु पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, सडकों के किनारे एवं डिवाइडर पर लगी झाडी, पेड पौधों की नियमित कटाई, छंटाई एवं रखरखाव तथा सार्वजनिक स्थानों, फुटपाथ एवं सड़कों पर बिजली के खुले तारों को तत्काल व्यवस्थित किया जाएगा।

सीबीयूडी ऐप पर खुदाई कार्यों की अनिवार्यता, उल्लघंन पर होगी कार्रवाई—

नगरीय विकास विभाग ने सभी नगर निकायों को सडकों पर खुदाई कार्यों से पूर्व प्रस्तावित कार्य का ब्यौरा सीबीयूडी ऐप पर आवश्यक रूप से अंकित करने एवं ऐप पर अंकन किए बिना संपादित कार्य पर पैनल्टी लगाने के प्रावधान के सख्त निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सीबीयूडी ऐप पर बिना इन्द्राज किए खुदाई कार्य करने के संबंध में राज्य सरकार के द्वारा कठोर दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही, कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संबधित इंजीनियर इन्चार्ज एवं संवेदक के उत्तरदायित्व का भी निर्धारण होगा।

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत प्रदेश में हुई व्यापक कार्रवाई

- तेज गति से वाहन चलाने पर 2743 चालकों के विरुद्ध की कार्रवाई

- नियमों का उल्लंघन करने पर परिवहन विभाग ने किए 2758 वाहनों के चालान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राज्य सरकार सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए निरंतर सार्थक कदम उठा रही है। इसी दिशा में प्रदेशभर में 4 से 18 नवम्बर तक 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के पहले दिन पुलिस विभाग द्वारा प्रदेशभर में की गई कार्रवाई-

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, यातायात डॉ. बी. एल. मीना ने बताया कि अभियान के पहले दिन शराब पीकर वाहन चलाने पर 307, तेज गति से वाहन चलाने पर 2743, गलत दिशा में वाहन चलाने पर 753, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने पर 178, बिना रिफ्लेक्टर वाहन चलाने पर 149, बिना नम्बर प्लेट वाहन चलाने पर 529 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि 4 नवंबर को 15 हजार 618 सड़क उपयोगकर्ताओं को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई। अभियान के दौरान प्रदेश में पुलिस विभाग के लगभग 4 हजार 500 कार्मिक मौके पर तैनात रहे। डॉ. मीना ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न राजमार्गों पर एनएच-48 मॉडल के अनुरूप लेन ड्राइविंग सिस्टम को लागू करने की दिशा में 135 पुलिस जाप्तों के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया गया। वहीं, 143 पुलिस जाप्ते लेन ड्राइविंग के नियमों को सुनिश्चित करने के लिए तैनात किए गए। इस दौरान नियमों की अवहेलना करने पर 49 वाहन चालकों के विरूद्ध कार्रवाई भी की गई।

परिवहन विभाग ने नियमों का उल्लंघन करने पर की व्यापक कार्रवाई -

परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग ने अभियान के पहले व दूसरे दिन (4 व 5 नवंबर) कार्रवाई करते हुए प्रदेश में नियमों का उल्लंघन करने पर 2758 वाहनों के चालान किए। इस दौरान मालवाहक वाहनों पर ओवरलोडिंग के 193, इन वाहनों में यात्री पाए जाने पर 85 तथा अन्य नियमों के उल्लंघन करने पर 1819 मालवाहक वाहनों के चालान कर कार्रवाई की गई। यात्री वाहनों में क्षमता से अधिक यात्री पाए जाने पर 42, छत पर सामान रख संचालन करने पर 6 बसों तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने पर 181 यात्री वाहनों का चालान किया। अभियान के दौरान परिवहन विभाग द्वारा 83 व्यक्तियों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किए गए, 7 वाहनों का परमिट भी कैंसिल किया गया तथा 116 वाहनों को सीज किया गया है। इस दौरान अन्य प्रकरणों में भी विभाग द्वारा चालान किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि इस अभियान का उद्देश्य राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं मृत्यु दर घटाना, यातायात नियमों के पालन को सख्ती से लागू करना, सड़क अधोसंरचना एवं आपातकालीन सहायता प्रणाली को सुदृढ़ करना, सड़क उपयोगकर्ताओं में जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना बढ़ाना है।

जयपुर में वकीलों का हंगामा थमा, चार सूत्रीय सहमति से खत्म हुआ चक्काजाम!

-अधिवक्ता से मारपीट पर बार एसोसिएशन सख्त, FIR व सस्पेंशन पर बनी सहमति!

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में अधिवक्ता देवेंद्र मीणा से मारपीट के बाद गुरुवार को राजधानी में वकीलों का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा, सड़क पर वकीलों ने प्रदर्शन,कर चक्काजाम कर दिया। बताया गया आदर्श नगर थाने में अधिवक्ता देवेंद्र मीणा के साथ हुई मारपीट के विरोध में जयपुर के वकीलों ने किया चक्काजाम... करीब 1 घंटे तक जाम रहा रास्ता... आखिरकार पुलिस प्रशासन को आना पड़ा हरकत में। डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद पहुंचे मौके पर, वकीलों से की लंबी बातचीत, जिसके बाद बनी चार सूत्रीय मांगों पर बनी सहमति —सहमति में अधिवक्ता की ओर से FIR दर्ज की जाएगी। परिवाद में नामजद पुलिसकर्मी सस्पेंड होंगे। जांच उच्च अधिकारी को सौंपी जाएगी। अगर किसी वकील के खिलाफ कोई मामला बनता है तो पहले बार एसोसिएशन को दी जाएगी जानकारी, उसके बाद ही होगी कार्रवाई। मनीष गगरानी, जनरल सेक्रेट्री – बार एसोसिएशन ने बताया "हमारे अधिवक्ता देवेंद्र मीणा को चार दिन तक थाने बुलाकर बैठाया गया, उनके साथ अभद्रता की गई और मारपीट तक हुई... इसी अन्याय के खिलाफ आज पूरा अधिवक्ता समुदाय एकजुट हुआ।" सहमति बनने के बाद वकीलों ने रास्ता खोला और ट्रैफिक व्यवस्था बहाल हुई।

स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती के लिए निरीक्षण अभियान, पहले दिन 813 संस्थान जांचे गए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों पर तीन दिवसीय सघन निरीक्षण अभियान शुरू हो गया है। बुधवार को अभियान के पहले दिन, राज्य से लेकर ब्लॉक स्तर तक के अधिकारियों ने 813 चिकित्सा संस्थानों का दौरा कर व्यवस्थाओं को परखा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि यह अभियान 5 नवम्बर से 7 नवम्बर तक चलेगा। इसका उद्देश्य चिकित्सा संस्थानों में इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टेण्डर्ड (IPHS) के मानकों को जांचना और उन्हें बेहतर करना है। निरीक्षण के दौरान, टीमें मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पतालों, जिला अस्पतालों, सीएचसी, पीएचसी और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों तक का निरीक्षण कर रही हैं। अधिकारी मुख्य रूप से अस्पताल भवन की स्थिति, साफ-सफाई, मानव संसाधन की उपलब्धता, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, ओपीडी-आईपीडी में मरीजों की संख्या और निःशुल्क दवा व जांच योजना के क्रियान्वयन जैसे बिंदुओं पर गहन जांच कर रहे हैं। निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा के अनुसार, पहले दिन 3 जिला अस्पतालों, 23 उप जिला अस्पतालों, 125 सीएचसी, 267 पीएचसी एवं 394 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निरीक्षण पूरा किया गया। निरीक्षण के दौरान एम्बुलेंस सेवाओं की स्थिति भी जांची गई, जिसमें एम्बुलेंस की हालत और जीवनरक्षक उपकरणों की उपलब्धता और उनकी क्रियाशीलता को देखा गया। विभाग के मुताबिक, निरीक्षण में पाई गई कमियों के आधार पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर सुधार के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

नारी चौपाल में बिखरे आधी आबादी के उत्साह, उमंग और उल्लास के रंग

- सक्षम जयपुर अभियान के तहत चौमूं के हाड़ौता में हुआ आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप जयपुर जिले में आयोजित किये जा रहे नारी चौपाल कार्यक्रम अब नारी उत्सव एवं महिला सशक्तिकरण की मिसाल के रूप में उभर रहे हैं। जयपुर जिला प्रशासन द्वारा सक्षम जयपुर अभियान एवं बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना के तहत उपखंडस्तर नारी चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार गुरुवार को चौमूं के हाड़ौता स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में नारी चौपाल कार्यक्रम उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि भारतीय पुलिस सेवा की अधिकारी ऊषा यादव एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मृणाल कुमार की मौजूदगी में आयोजित नारी चौपाल में हजारों महिलाओं एवं बालिकाओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और अपने हुनर का प्रदर्शन किया। मारवाड़ी गीत, लोक नृत्य, नुक्कड़ नाटक, आत्मरक्षा प्रशिक्षण जैसी विविध गतिविधियों ने चौपाल को सजीव बना दिया। महिलाओं ने "हम होंगे कामयाब" और "मेरा काम—मेरा सम्मान" प्रस्तुतियों के माध्यम से आत्मविश्वास और स्वावलंबन का संदेश दिया। सफलता की कहानियों के जरिए अनुभव साझा किए गए और महिला सशक्तिकरण की प्रेरणा दी गई। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा, शिक्षा, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने महिलाओं से संवाद कर स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, पोषण, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर जानकारी दी तथा उन्हें प्रेरित करने के लिए सफलता की कहानियाँ साझा कीं। चौपाल स्थल पर योजनाओं से जुड़ी सहायता काउंटर भी लगाए गए, ताकि महिलाओं को मौके पर ही आवश्यक जानकारी और सहयोग मिल सके। आयोजन के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं ने सक्षम जयपुर अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर किए तथा बेटी बचाओ—बेटी पढ़ाओ की शपथ भी ली। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी मृणाल ने विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी दिलीप सिंह राठौड़ सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि नारी चौपाल का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और जागरूक बनाना है। चौपाल के माध्यम से महिलाओं को सरकार की योजनाओं, अधिकारों एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है, साथ ही उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन चौपालों के जरिये समाज में लिंगानुपात सुधार, महिला गरिमा व सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा समान अवसरों की दिशा में संवाद स्थापित किया जा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से संचालित योजनाओं, नियमों और अधिनियमों का व्यापक प्रचार-प्रसार भी इस पहल का हिस्सा है, जिससे समतामूलक समाज का निर्माण संभव हो सके। डॉ. डोगीवाल ने बताया कि जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर के सभी उपखंडों में नारी चौपाल का आयोजन चरणबद्ध रूप से किया जा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर विशेष संगोष्ठियों का हुआ आयोजन

- जनजातीय गौरव वर्ष के तहत विभिन्न गतिविधियों का हो रहा आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेशभर में भगवान बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के तहत विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार गुरुवार को बस्सी पंचायत समिति में खिलौना बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं नवाचार से जोड़ना था। कार्यशाला में प्रशिक्षकों ने बड़ी तादाद प्रतिभागियों को खिलौने बनाने की बारीकियों से रूबरू करवाया। वहीं, कार्यक्रम के तहत माडा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों की ग्राम सभा में विशेष संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी तादाद में प्रतिभागियों ने भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए भगवान बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को आत्मसात करने की शपथ ली। मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रतिभा वर्मा ने बताया कि 1 से 15 नवम्बर 2025 तक भगवान बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के तहत विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रारम्भ हुई है। राज्य सरकार द्वारा यह आयोजन भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों, संघर्ष और योगदान को जन-जन तक पहुँचाने के साथ-साथ समाज के वंचित वर्गों को योजनाओं का लाभ पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। आगामी कार्यक्रमों के तहत 7 नवम्बर को कृषकों की संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा जिसमें कृषि विभाग के अधिकारी विभागीय गतिविधियों योजनाओं एवं भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी पर प्रकाश डालेंगे। वहीं, 8 नवंबर को वन विभाग के माध्यम से वनोपज, वनधन, एफआरए एवं लसोड़ा के विषय में जानकारी प्रदान करने के लिए जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन होगा साथ ही, राजीविका द्वारा संबंधित ब्लॉक में स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जाएगा। 9 नवंबर को टीएडी के आवासीय विद्यालयों एवं आश्रम छात्रावासों में भगवान बिरसा मुंडा पर आधारित भाषण, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसप्रकार 15 नवम्बर तक जनजातीय गौरव वर्ष के अंतर्गत विभिन्न जन जागरण, सांस्कृतिक एवं विकासपरक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रतिभा वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास को जनसहभागिता का अभियान बना रही है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आरम्भ हुई यह श्रृंखला समाज के आदिवासी गौरव, स्वाभिमान और संस्कृति को सम्मान देने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल है।

वित्त समिति अध्यक्ष श्रीमती शील धाभाई की अध्यक्षता में हुई बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय के पण्डित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में गुरूवार को वित्त समिति अध्यक्ष श्रीमती शील धाभाई की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें नगर निगम ग्रेटर के वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत बजट प्रावधानों में बजट उपयोग की समीक्षा की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती शील धाभाई ने कहा कि यह नगर निगम ग्रेटर की अंतिम वित्त समिति की बैठक है। नगर निगम ग्रेटर ने किसी प्रकार का कोई अधिशेष नहीं छोड़ा है। उद्यान शाखा, स्वास्थ्य शाखा, राजस्व प्रथम शाखा, विद्दत शाखा, गैराज शाखा सहित करीब 6 से भी अधिक शाखाओं के अधिकारियों, सदस्यों के साथ बैठक कर विस्तृत चर्चा की तथा 50 लाख से अधिक वाले विकास कार्यों का विश्लेषण किया गया। बैठक में चेयरमैन एवं पार्षद लक्ष्मण नूनीवाल, डॉ. मीनाक्षी शर्मा, भंवर लाल मालाकार, श्रीमती सुमन गुप्ता राजवंशी, अक्षत खूंटेटा, बाबूलाल शर्मा, वित्तीय सलाहकार, उपायुक्त उद्यान, उपायुक्त स्वास्थ्य, राजस्व अधिकारी, अधीक्षण अभियंता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

समर्पण संस्था का 10वॉं राष्ट्र स्तरीय "समर्पण समाज गौरव 2025 " अवार्ड समारोह 09 नवम्बर को जयपुर में !

-देशभर से चयनित 44 विभुतियों को 16 श्रेणियों में " समर्पण समाज गौरव 2025" और 16 युवा प्रतिभाओं को दिया जायेगा "समर्पण युवा जाग्रति 2025"

-तैयारियों के लिए आयोजित मीटिंग में किया आमन्त्रण पत्र का विमोचन...

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित राजस्थान की अग्रणी समर्पण संस्था द्वारा रविवार, 09 नवम्बर को 10 वॉं राष्ट्र स्तरीय "समर्पण समाज गौरव 2025" अवार्ड समारोह आयोजित किया जायेगा। यह समारोह राज्य कृषि प्रबन्धन संस्थान, दुर्गापुरा के सियाम ऑडिटोरियम में प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक होगा।संस्था पदाधिकारियों द्वारा समारोह के आमंत्रण पत्र का विमोचन एक बैठक में किया गया और सक्रिय सदस्यों की सेवायें निर्धारित की गईं । कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने बताया कि समारोह में देशभर से चयनित 44 उत्कृष्ट कार्य करने वाले महान व्यक्तियों को "समर्पण समाज गौरव 2025" अवार्ड से सम्मानित किया जायेगा। कुल 16 श्रेणियों में दिये जाने वाले अवार्डस में समाज सेवा के क्षेत्र में 10 को "मदर टेरेसा", शिक्षा में 3 को "डॉ. राधाकृष्णन', सामाजिक न्याय में 2 को "डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ", चिकित्सा में 3 को "डॉ. विधान चन्द्र राय", साहित्य में 7 को "मुन्शी प्रेम चन्द", शोध व आविष्कार में 1 को " डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम " खेल में 2 को "मेजर ध्यान चन्द", आध्यात्म में 2 को "बाबा हरदेव सिंह", पर्यावरण में 2 को "सुन्दर लाल बहुगुणा", कला व संस्कृति में 2 को "भूपेन हजारिका", महिला सशक्तिकरण में 2 को "रानी लक्ष्मी बाई", पत्रकारिता में 3 को "कुलदीप नेय्यर" , उद्यमी क्षेत्र में 1 को "धीरूबाई अंबानी" , योग में 2 को "महर्षि पतंजलि ", दान में 1 को " भामाशाह " व कंटेंट क्रिएट में 1 को " ग्रेट क्रियटर समर्पण समाज गौरव 2025 " अवार्ड दिया जायेगा। इसके साथ ही 16 युवा प्रतिभाओं को " समर्पण युवा जाग्रति 2025 " अवार्ड से सम्मानित किया जायेगा । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा होगें और अध्यक्षता राजस्थान के सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा करेंगे अति विशिष्ट अतिथि डॉ. नीरज के. पवन , IAS शासन सचिव सचिव, युवा मामले और खेल विभाग, राजस्थान सरकार व अध्यक्ष, राजस्थान राज्य खेल परिषद (आरएसएससी) व पद्मश्री श्याम सुन्दर पालीवाल (पूर्व सरपंच, पिपलांत्री , राजसमंद) होंगे । विशेष आमंत्रित अतिथि अनिल कुमार जैन Retd. IRS (पूर्व प्रधान आयकर आयुक्त व प्रधान मुख्य सलाहकार, समर्पण संस्था), प्रमोद चौरडिया जैन (प्रधान मुख्य संरक्षक, समर्पण संस्था व संस्थापक अध्यक्ष, मानव मिलन संस्थान) व एस एस शेखावत (सेवानिवृत्त कर्नल व मुख्य संरक्षक ,समर्पण संस्था) होंगे । विशिष्ट अतिथि वीरेन्द्र मेहता (पूर्व वित्तीय सलाहकार, राजस्थान सरकार), डॉ. सुधांशु शर्मा (सह संस्थापक, सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय), सुरेश कुमार पोद्दार (चेयरमैन व प्रबन्ध निदेशक,मयूर युनिकोटर्स लिमिटेड, जयपुर), सीताराम स्वरूप (अधीक्षण अभियंता , जल संसाधन विभाग, राजस्थान), आर. के. अग्रवाल (वरिष्ठ समाजसेवी व मुख्य संरक्षक , परमार्थ एवम् आध्यात्मिक समिति), रामावतार माहेश्वरी (सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक, ICICI बैंक) व राज कुमार बैरवा साहब (निदेशक, हिमालया रियल एस्टेट, चित्तोडगढ़) होंगे।

डायमन्ड स्पोन्सर विशिष्ट अतिथि मदन लाल वर्मा (प्रोपराइटर, कृष्णा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी), पूर्णिमा पाठक शर्मा (लेखिका , कवयित्री व समाज सेविका ,मुख्य कार्यालय अधीक्षक रेल विभाग, एज्युकेशनल ब्रांड एम्बेसेडर, अजमेर), विजेन्द्र कुमार मीना (Director, Futurewise IT Solutions, Dubai , UAE) व जयन्त कुमार शर्मा (समाजसेवी) होंगे । गोल्ड स्पोन्सर विशिष्ट अतिथि किशोरी लाल बैरवा (व्यवसायी, के.एम. पेंटस)व कमलेश बैरवा (प्रोपराइटर, निरंकारी कन्स्ट्रक्शन्स) होंगे । वीआईपी अतिथि रिम्मु खण्डेलवाल (संस्थापक, रिम्मु फ़ाउंडेशन व सचिव, अपना घर आश्रम जामडोली), महेन्द्र पाटनी (वरिष्ठ समाजसेवी) व अनिता पहाड़ियां (अध्यक्ष ,भीमा बाई नारी शक्ति संगठन , भीलवाड़ा) होंगी। मंच संचालन कला व संस्कृतिकर्मी गौरव शर्मा (दूरदर्शन समाचार वाचक व वॉयस ऑवर आर्टिस्ट) करेंगे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सी एल वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित मीटिंग में सचिव कमल नयन खण्डेलवाल, वस्त्र बैंक प्रभारी चन्देल, रमेश कुमार बैरवा, कुन्दन लाल शर्मा सहित अनेक सदस्यों ने भाग लिया ।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

संभागीय आयुक्त डॉ. सिंह ने किया रोहट में मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का सत्यापन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका) भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन आयोग राजस्थान के निर्देशानुसार सम्पूर्ण राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एस.आई.आर.) 04 नवम्बर 2025 से प्रारम्भ हुआ है। जिसके तहत बूथ लेवल अधिकारी के माध्यम से प्रत्येक मतदाता के घर-घर जाकर मतदाता सर्वे फार्म का वितरण व संग्रहण का कार्य किया जा रहा है। जिसका बुधवार को सम्भागीय आयुक्त जोधपुर डॉ प्रतिभा सिंह ने विधानसभा क्षेत्र पाली (118) के ग्रामीण क्षेत्र रोहट के सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, (उपखण्ड अधिकारी) कार्यालय, रोहट में पहुँचकर चुनावी कार्य का भौतिक सत्यापन किया तथा संबंधित गतिविधियों यथा हेल्प डेस्क नियंत्रण कक्ष, ई.सी.आई. नेट पर मैपिंग व मतदाता गणना वितरण कार्य की आनलाईन जांच की गई। उसके पश्चात् वे रोहट के भाग संख्या 13 के बी.एल.ओ., सुपरवाईजर, वॉलिंटियर से फील्ड में जाकर उनके कार्यो को जांच की गई। साथ ही उनके कार्यो में समस्याओं को समझ कर उचित मार्गदर्शन किया तथा सर्वे कार्य में अपेक्षित प्रगति के आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी रोहट पूरण कुमार, तहसीलदार रोहट प्रकाश पटेल, चुनाव कार्यालय से भूराराम पटेल अरटीया, रामचन्द्र पटेल, सुपरवाईजर अचल सिंह, बी.एल.ओ. अशोक जैन सहित मतदाता उपस्थित रहे। उपखण्ड अधिकारी रोहट पूरण कुमार ने बताया कि मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य दिनांक 04 दिसम्बर 2025 तक जारी रहेगा। इस के लिए मतदाता अपना वर्तमान नवीनतम फोटो व मतदाता कार्ड तैयार रखें, जिससे मतदाता सूची के अद्यतन कार्य में सुगमता रहे तथा आसानी से विशेष गहन पुनरीक्षण मतदाता कार्य समयबद्ध रूप से किया जा सके।

बीएलओ द्वारा घर-घर गणना प्रपत्र के वितरण एवं संग्रहण प्रारंभ

-सभी राजकीय कर्मचारी स्वयं एवं अपने परिवार के गणना प्रपत्र को ऑनलाईन भरें

-मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 7 फरवरी को होगा

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के संबंध में मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में वीसी के माध्यम से संबंधित ईआरओ के साथ बैठक आयोजित की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष कार्यक्रम के तहत सभी मतदाताओं की पहचान और उनका आइडेंटिफिकेशन का कार्य कराया जा रहा है। कार्यक्रम के अन्तर्गत 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक घर-घर गणना प्रपत्र के वितरण एवं संग्रहण का कार्य होगा। 9 दिसंबर 2025 को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां ली जाएगी। 9 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक नोटिस फेज रहेगा जिसमें सुनवाई एवं सत्यापन किया जाएगा। 7 फरवरी, 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने 75 प्रतिशत से अधिक मेपिंग करवाने वाले बीएलओ की सराहना करते हुए कार्यो में और अधिक प्रगति लाने तथा 50 प्रतिशत से कम मेपिंग वाले बीएलओं पर नाराजगी जाहिर करते हुए जल्द से जल्द शत-प्रतिशत मेपिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने ट्रेनिंग एवं मूल्यांकन के दौरान गंगापुर सिटी में कम प्रगति होने पर बीएलओ को नोटिस जारी करने के निर्देश ईआरओ गंगापुर सिटी को दिए। साथ ही, उन्होंने जिला एवं ब्लॉक स्तर पर हैल्प डेस्क स्थापित कर तकनीकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के संयुक्त निदेशक पंकज मीना को दिए। उन्होंने सभी बीएलओ को वॉलिन्टियर्स के साथ घर-घर सर्वे कर से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी बूथ लेवल अधिकारियों को निर्वाचन विभाग की एडवाइजरी का पूर्णतः पालन करने एवं ईआरओ को प्रतिदिन बूथों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए है। उन्होंने आमजन मतदाताओं को बीएलओ, हैल्पडेस्क एवं निर्वाचन संबंधी आवश्यक जानकारी देने के लिए साइकिल रिक्शा, ओटो-टीपर के माध्यम से अनाउंसमेंट करवाने के निर्देश प्रदान किए है। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाताओं को परिगणना फॉर्म वितरित में बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, पीआरओ, एसडीएम, एआरओ से लेकर जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार आमजन के लिए मौजूद रहेंगे। यदि किसी भी मतदाता को अपना प्रपत्र भरने के लिए सहायक की आवश्यकता हो तो वह अपने नजदीकी बीएलओ के माध्यम से सूचना प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को जागरूक करें और सुनिश्चित करें कि वो स्वयं एवं परिवार के गणना प्रपत्र ऑनलाईन भरें ताकि गलती की संभावना कम हो। सभी की भागीदारी से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्य को समयबद्ध पूर्ण किया जा सके। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बीएलओ नए मतदाता को शामिल करने के लिए फॉर्म 6 और घोषणा पत्र प्राप्त करेंगे और मिलान/लिंकिंग में सहायता करेंगे। मतदाता को ईएफ भरने में मदद करेंगें, उसे प्राप्त करेंगे और ईआरओ/एईआरओ को जमा करेंगे। उन्हें प्रत्येक मतदाता के घर कम से कम 3 बार जाना होगा। मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित और एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की पहचान करेंगें। मतदाता, विशेष रूप से शहरी मतदाता/अस्थायी प्रवासी, ईएफ ऑनलाइन भी भर सकते हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026: जागरूक मतदाता बनने की अपील

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने जिलेवासियों से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (SIR) 2026 के तहत गणना प्रपत्र भरकर जागरूक मतदाता होने की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ. गर्ग ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राजस्थान सहित 12 राज्यों में यह विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके तहत 4 दिसम्बर 2025 तक बीएलओ घर–घर जाकर मतदाताओं से सम्पर्क करेंगे तथा गणना प्रपत्र (Enumeration Form) भरवाने का कार्य करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आयोग की मंशा है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा ऐसा कोई व्यक्ति जिसका मताधिकार नहीं है, वह सूची में सम्मिलित न हो। इस प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं को किसी भी प्रकार के दस्तावेज जमा नहीं करवाने हैं। उन्होंने आगे बताया कि वर्ष 2002 की मतदाता सूची के आधार पर पात्र मतदाताओं की 70 प्रतिशत मैपिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष कार्य शीघ्र पूरा कर मतदाता सूची को अद्यतन रूप में तैयार किया जाएगा। डॉ. गर्ग ने जिले के नागरिकों से अपील की कि वे बीएलओ के सर्वे के दौरान पूर्ण सहयोग करें और अपने परिवार के सभी योग्य सदस्यों का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करवाएं ताकि कोई भी मतदाता अधिकार से वंचित न रहे।

सड़क सुरक्षा अभियान की तैयारियों की समीक्षा बैठक

-जिले में सभी सड़क दुर्घटनाओं का ऑडिट करवाया जाएगा- जिला कलक्टर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले में होने वाली सभी सड़क दुर्घटनाओं का विभिन्न मानकों के आधार पर ऑडिट करवाया जाएगा, ताकि इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार संबंधित विभागीय अधिकारियों अथवा एजेंसियों के खिलाफ समुचित कार्रवाई की जा सके। जिला कलक्टर काना राम ने इस संबंध में सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक में सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में कोई भी सड़क हादसा होने पर किसी भी स्तर पर लापरवाही, अकर्मण्यता अथवा गलती के लिए दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिला कलक्टर गुरुवार को वाहनों के आवागमन को नियमित और नियंत्रित करने तथा सड़क हादसों में कमी लाने के उद्देश्य से राज्य सरकार के निर्देश पर चलाए जा रहे 'सड़क सुरक्षा अभियान' की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा से जुड़े विभागों के अधिकारियों के संयुक्त निगरानी दल गठित किए जाएंगे, जो विभिन्न स्तर पर निगरानी कर यह सुनिश्चित करेंगे कि अभियान की गतिविधियों में कोई लापरवाही नहीं रहे।

इस अभियान का उद्देश्य आम लोगों, वाहन चालकों, पुलिस, सड़क एवं राजमार्ग प्रबंधन, परिवहन, सार्वजनिक निर्माण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, नगर विकास एवं स्थानीय शासन आदि विभागों तथा टूर एवं ट्रांसपोर्ट कंपनियों, वाहन चालक संगठनों और स्वयंसेवी संगठनों को बेहतर तथा दुर्घटना-रहित यातायात के लिए जागरूक करना है।

जिला कलक्टर ने कहा कि सभी वाहन चालको को एक्सप्रेस वे, राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों और शहरी क्षेत्रों में अपनी लेन और सुरक्षित निर्धारित गति पर ड्राइविंग करने की समझाइश की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस, हाइवे यातायात तथा परिवहन विभागों के अधिकारी लेन ड्राइविंग सुनिश्चित कराएं। सभी वाहनों पर वाहन संख्या और रिफ्लेक्टर आवश्यक रूप से मौजूद हो। कोई भी भारी वाहन चालक खाने पीने और आराम आदि के लिए सड़क के किनारे या सर्विस लेन में पार्किंग न करके, निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही वाहन को खड़ा करें। उन्होंने इन नियमों को तोड़ने वाले वाहनों पर तत्काल चालान की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। काना राम ने कहा कि अभियान से सम्बन्धी सभी विभागों के अधिकारी अपनी भूमिका सतर्कता के साथ निभाएं। इस दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही होने पर गंभीर और सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला पुलिस अधीक्षक अनिल बेनीवाल ने कहा कि सड़क हादसे एक गंभीर समस्या है और इससे निपटने के लिए सभी पक्षों को संवेदनशील और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षित यातायात के लिए सभी लोगों को पुलिस का सहयोग करना चाहिए। सभी संबंधित लोग, विभाग और एजेंसियां सामूहिक जिम्मेदारी के साथ काम करके ही सड़क हादसों में कमी ला सकते हैं। दुर्घटना होने की स्थिति में पीड़ितों को राहत एवं बचाव के लिए भी तत्काल और प्रभावी कार्रवाई में पुलिस को अन्य विभागों तथा एजेंसियों और स्थानीय लोगों के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता होती है। उन्होंने सड़क सुरक्षा अभियान और यातायात के नियमित संचालन में सभी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि सड़क सुरक्षा अभियान के दौरान जिले में कई स्थानों पर वाहन चालकों की आंखों की जांच के लिए निशुल्क शिविर लगाए जाएंगे। ये शिविर टूर और ट्रांसपोर्ट कंपनियों, वाहन चालक संगठनों तथा इस विषय से जुड़े विभागों और एजेंसियों के सहयोग से निर्धारित स्थानों लगाए जाएंगे। कलक्टर काना राम ने बताया कि शिविरों में चालकों की आंखों की जांच के साथ ही हाइपर टेंशन, उच्च रक्तचाप, नशीले पदार्थों के सेवन की आदत आदि की भी जांच की जाएगी और उनकी अच्छे स्वास्थ्य और सुरक्षित ड्राइविंग के लिए समझाइश की जाए।

कोढ़ा विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी पूनम पासवान के समर्थन में उमड़ा जनसैलाब

-इंडिया गठबंधन के पक्ष में बिहार की जनता का जबरदस्त रुझान- सलमान रंगरेज

शादाब अली

सवाई माधोपुर, 6 नवंबर। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग द्वारा राजस्थान से भेजे गए पर्यवेक्षक सलमान रंगरेज इन दिनों राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी और पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के साथ मिलकर कोढ़ा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में डोर-टू-डोर प्रचार और जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। पर्यवेक्षक सलमान रंगरेज ने बताया कि कोढ़ा विधानसभा से इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस प्रत्याशी पूनम पासवान मैदान में हैं, जिनके समर्थन में जनता का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कोढ़ा सहित पूरे कटिहार जिले में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के पक्ष में जबरदस्त रुझान है। जनसभाओं में उमड़ रही भारी भीड़ और जनता का बढ़ता उत्साह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि बिहार में इस बार इंडिया गठबंधन की सरकार बनना तय है। रंगरेज ने विश्वास जताया कि कांग्रेस प्रत्याशी पूनम पासवान को जनता का आशीर्वाद मिलेगा और कोढ़ा विधानसभा क्षेत्र से एक नई राजनीतिक शुरुआत होगी जो विकास, समानता और सद्भाव का संदेश देगी।

विधिक सचिव समीक्षा गौतम ने विधिक सेवा सप्ताह के तहत किया जागरूकता शिविर का आयोजन

सवाई माधोपुर(रॉयल पत्रिका) । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा विधिक सेवा सप्ताह के तहत गुरुवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मानटाउन सवाई माधोपुर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। सचिव समीक्षा गौतम ने बताया कि 3 से 9 नवंबर 2025 तक विधिक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। विधिक सेवा सप्ताह के तहत नालसा एवं रालसा द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं, साइबर अपराधों की रोकथाम, बाल विवाह के दुष्परिणामों, घरेलू हिंसा एवं शोषण, जबरन श्रम, निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता, नालसा हेल्पलाइन 15100, नालसा पोर्टल, राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना, मध्यस्थता कानूनो, स्थाई लोक अदालत, राष्ट्रीय लोक अदालत, पोश एक्ट, पोक्सो एक्ट, पर्यावरण संरक्षण एवं विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के संबंध में आमजन को जागरूक करने हेतु विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सचिव समीक्षा गौतम ने उपस्थित छात्रों को जानकारी देते हुए बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पात्र व्यक्तियों को मुक्त कानूनी सलाह, सहायता एवं अदालती कार्यवाही में प्रतिनिधित्व प्रदान करता है, नियमित रूप से लोक अदालत का आयोजन करता है जहां विवादों को सुलझाने में मदद की जाती है, कानूनी साक्षरता कार्यक्रम आयोजित करता है, ताकि लोग अपने अधिकारों एवं कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में जागरूक हो सके, साथ ही पीड़ितों को उनकी क्षतिपूर्ति के लिए मुआवजा राशि प्रदान करने में मदद करता है, मध्यस्थता के माध्यम से विवादों को हल करने में मदद करता है। महिला, बच्चे, दिव्यांग व्यक्ति, तस्करी के शिकार बच्चे एवं व्यक्ति, जेलों में निरुद्ध बंदी, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के सदस्य, औद्योगिक कामगार एवं आपदा, जातीय हिंसा, अत्याचार के शिकार व्यक्ति और एवं ऐसे व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय 3 लाख से कम है, को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता प्रदान की जाती है। निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता प्राप्त करने के लिए आप अपने निकटतम विधिक सेवा प्राधिकरण या तालुका विधिक सेवा समिति से संपर्क कर सकते हैं, आप नालसा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 पर संपर्क कर सकते हैं, साथ ही आप पैनल अधिवक्ताओं, अधिकार मित्रों एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सदस्यों से भी संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सदस्य आयुष ताजी द्वारा उपस्थित छात्रों को बालविवाह के दुष्परिणामों, बाल विवाह के मामले में सजा का प्रावधान, बालविवाह की शिकायत के निवारण में विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका, पोक्सो एक्ट 2012 आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान अधिकार मित्र मुकेश कुमार शर्मा, धनराज मीणा, रणवीर चौधरी एवं प्रधानाध्यापक चंद्रशेखर जोशी उपस्थित रहे।

पेंशनर को वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाना अनिवार्य

-31 दिसम्बर तक सत्यापन करवाना अनिवार्य

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन यथा वृद्धावस्था पेंशन, एकलनारी पेंशन, विशेष योग्यजन पेंशन, कृषक वृद्धजन पेंशन योजनान्तर्गत विभागीय नियमानुसार पेंशनर को वर्ष में एक बार वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाना अनिवार्य है। विभाग के उपनिदेशक डॉ. पवन पूनिया ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी 01 नवंबर 2025 से कैलेण्डर वर्ष 2026 के लिए वार्षिक भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया विभाग द्वारा प्रारम्भ की जा चुकी है। जिले के समस्त पेंशनर्स को 31 दिसम्बर 2025 तक वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाना अनिवार्य है। जिले में कुल 282400 पेंशनर्स है। सत्यापन करवाने के लिए पेंशनर अपने नजदीकी ई-मित्र पर जाकर बायोमैट्रिक के माध्यम से अपना वार्षिक सत्यापन करवा सकता है। इसके अतिरिक्त पेंशनर Rajssp Mobile App के माध्यम से अपने मोबाईल पर भी फेस रिकॉग्निशन के आधार पर वार्षिक सत्यापन कर सकता है। बायोमैट्रिक अथवा फेस रिकॉग्निशन के आधार पर सत्यापन नहीं होने की स्थिति में पेंशनर द्वारा अपने संबंधित पेंशन स्वीकृतिकर्ता अधिकारी के कार्यालय में जाकर अपने पीपीओ में दर्ज रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त कर भौतिक सत्यापन करवाया जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्र में पेंशन स्वीकृतिकर्ता अधिकारी विकास अधिकारी तथा शहरी क्षेत्र में पेंशन स्वीकृतिकर्ता अधिकारी उपखण्ड अधिकारी होता है। पेंशन स्वीकृतिकर्ता अधिकारी के स्तर पर उनके आधार से जुडे मोबाईल नंबर पर ओटीपी से सत्यापन का भी प्रावधान है। ऐसे पेंशनर्स जिनके पीपीओ में मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड नहीं है वे अपने संबंधित पेंशन स्वीकृतिकर्ता अधिकारी के कार्यालय में पेंशन संबंधी दस्तावेज के साथ व्यक्तिशः उपस्थित होकर ओटीपी के माध्यम से वार्षिक सत्यापन करवा सकते हैं। इसके साथ ही ऐसे विशेष योग्यजन पेंशनर्स जिनके UDID कार्ड नहीं बने हैं, वे ई-मित्र के माध्यम से UDID कार्ड के लिए आवेदन करें तथा UDID रजिस्ट्रेशन नंबर ई-मित्र पर जाकर अपने जनाधार में अपडेट करावें। जनाधार में UDID रजिस्ट्रेशन नंबर अपडेट होने के पश्चात पेंशनर अपना भौतिक सत्यापन करवा सकता है। वार्षिक सत्यापन नहीं करवाने की स्थिति में विभाग द्वारा पेंशनर की पेंशन राशि का भुगतान रोका जा सकता है इसलिए सभी पेंशनर्स 31 दिसम्बर 2025 तक अपना वार्षिक भौतिक सत्यापन अनिवार्य रूप से कराएं।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026

-जिले में अब तक 67.84 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग

-एसआईआर का जमीनी स्तर पर सुचारु रूप से क्रियान्वयन

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत गणना प्रपत्र बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर वितरित किए गए हैं। जिले में अब तक कुल 67.84 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग का कार्य किया जा चुका है। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने बताया कि जिले की अंता विधानसभा को छोड़कर अन्य किशनगंज, बारां-अटरु एवं छबड़ा के सभी मौजूदा मतदाताओं के लिए नए गणना फॉर्म (ईएफ) की छपाई और घर-घर जाकर वितरण का काम विधानसभा क्षेत्रों में शुरू हो चुका है। एसआईआर से संबंधित सभी गतिविधियां निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अच्छी तरह से आगे बढ़ रही हैं।

वर्तमान मतदाताओं की विगत एसआईआर मतदाता सूची के साथ मैपिंग जारी-

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूचियां अपलोड कर दी गयी है। साथ ही यह लिंक मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि विगत एसआईआर की मतदाता सूची में अगर किसी वर्तमान मतदाता के माता-पिता या दादा-दादी आदि का नाम शामिल है तो सटीक और सत्यापित पारिवारिक संबंध के माध्यम से वंशावली मानचित्रण (मैपिंग) की जा रही है। तोमर ने बताया कि जिले में 40 वर्ष से अधिक आयु के 84.67 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है, इसके साथ ही 40 वर्ष एवं इससे कम आयु के 54.29 प्रतिशत मतदाताओं की भी मैपिंग उनके परिवारजन के विवरण की सहायता से कर ली गई है, इस प्रकार जिले के कुल 67.84 मतदाता विगत विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से मैप हो गए हैं अर्थात इन्हें इस संपूर्ण प्रक्रिया में केवल गणना प्रपत्र में सूचनाओं को भरना है एवं किसी भी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं देना है। अंता में विधानसभा उपचुनाव होने के कारण वहां यह कार्यक्रम अभी प्रारंभ नहीं किया गया है।

मैपिंग से फायदा-

जिले के वे सभी मतदाता जिनका मिलान देश के किसी भी राज्य के विगत विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची के साथ हो जाता है तो उन्हें इस संपूर्ण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार के दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं रहेगी। इस तरह से मैपिंग मतदाताओं के लिए एक सुविधा जनित प्रक्रिया है।

स्वीप कार्यक्रम के तहत रंगोली एवं दीपदान कर जगाई मतदान की अलख

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला निर्वाचन अधिकारी व कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में अंता विधानसभा उपचुनाव में मतदाताओं की शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देव दीपावली पर स्वीप दीपदान महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर ग्राम जगन्नाथपुरा में परवन के तट पर स्थित केदारनाथ मंदिर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव ने उपस्थित मतदाताओं के साथ केदार कुंड पर आरती एवं वोट की कृति में दीप विसर्जित कर दीपदान किया, साथ ही मंदिर परिसर में उपस्थित जन को अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना मतदान करने का संकल्प कराया एवं मतदाताओं से उपचुनाव 11 नवंबर को अनिवार्य रूप से मतदान करने की अपील की। कार्यक्रम में मतदान जागरूकता के लिए स्वीप दल सदस्य राजेश गौतम ने निर्वाचन गीत गाकर कार्यक्रम का समां बांध दिया। वहीं चुनरी की पारंपरिक वेशभूषा में महिला मतदाताओं ने मतदाता जागरूकता पर वोट एवं मतदाता जागरूकता के संदेशों को रंगोली एवं दीपक की सजावट के माध्यम से दर्शाते हुए मतदाताओं को मतदान करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर स्वीप सदस्य राजेंद्र प्रसाद मीणा, रामचरण मीणा सहित मंदिर परिसर में मतदाता एवं अन्य जन मौजूद रहे।

159 दिव्यांग विद्यार्थियो हेतु 221 कृत्रिम अंग उपकरण हुए चिन्हित

-जिला स्तरीय कृत्रिम अंग उपकरण चिन्हिकरण कार्यक्रम का आयोजन

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य परियोजना निदेशक राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद एवं एलिम्को कानपुर के संयुक्त तत्वाधान में समग्र शिक्षा धौलपुर द्वारा समावेशी शिक्षा के अन्तर्गत जिला स्तरीय मेडीकल असेसमेन्ट कैम्प का आयोजन सहेली प्रशिक्षण केन्द्र में 3 व 4 नबम्बर को किया गया। कैम्प में कक्षा 1 से 12 तक अध्ययनरत विशेष आवश्यकता वाले 159 विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ जो बाड़ी, बसेड़ी, सरमथुरा, धौलपुर, राजाखेडा एवं सैपऊ शामिल रहे। पंजीकृत दिव्यांग विद्यार्थियों को 221 कृत्रिम अंग उपकरण व्हीलचेयर, ट्राईसाइकल, श्रवण यंत्र, ब्रेलकिट, सीपी चेयर, ब्रेलकेन, रोलेटर, टीएलएम किट एवं वेंटरी ओपरेटेड मोटराईजड ट्राईसाइकल आदि के लिए चिन्हित किया गया उपकरणों का मूल्याकंन एलिम्को कानपुर की जांच टीम द्वारा किया गया। शिविर में अतिरिक्त जिला

परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा जितेन्द्र सिंह जादौन ने बच्चों के अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह बच्चे अपने अन्दर एक विशेष खूबी लेकर इस दुनिया में आए हैं इनको दिव्यांग या विशेष योग्यजन समझकर इनके अन्दर की विशेषताओं को न दबाएं बल्कि इनको आत्मविश्वास दिलाएं और समाज में एक अलग पहचान बनाने के लिए उनके अन्दर सकारात्मक उर्जा पैदा करें। सहायक परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा विशाल कुमार गुप्ता ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा एल्मिकों के सहयोग से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को दिये जा रहे उपकरणों से इनके जीवन में बड़ा बदलाव आयेगा। साथ ही उन्होने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सक्षम एवं समर्थ बताया। कार्यक्रम अधिकारी समग्र शिक्षा राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ने कहा कि हमे संवेदनशील समाज का निर्माण करना होगा। जिसके लिए विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सामान्य बच्चों के साथ शिक्षण कार्य कराया जाना आवश्यक है। जिससे समाज के साथ बेहतर समन्वय स्थापित होने में असुविधा नहीं हो। इस दौरान चिकित्सक, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

जल संसाधन कैबिनेट मंत्री सुरेश जी रावत ने नाटक कलाकारों का उत्साह बढ़ाया

-स्वच्छता और आत्मनिर्भर भारत पर नाटक के माध्यम से जनता को किया अभिभूत

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। पुष्कर मेला-2025 में आए देश विदेशी पर्यटक और देश के कोने-कोने से आए तीर्थ यात्रियों को नगर परिषद पुष्कर द्वारा जगह-जगह नुक्कड़ नाटकों का आयोजन कर रहे गोपाल बंजारा और उनकी टीम के कलाकारों का जल संसाधन मंत्री सुरेश जी रावत ने उत्साह बढ़ाया और शानदार कार्यक्रम करने पर बधाई दी। कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि नाटक के माध्यम से स्वच्छता और आत्मनिर्भर भारत पर देश विदेश से आए पर्यटक और तीर्थ यात्रियों जागरुकता आएगी। नाटक के माध्यम से संदेश देश-विदेश तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि गोपाल बंजारा और उनकी टीम प्रशंसनीय और सराहनीय कार्य कर रही है। नाटक टीम के कलाकारों द्वारा पुष्कर मेले में स्वच्छता पर बनाया गया गीत ने पूरे मेले में धमाल मचा रखी है। इस अवसर पर नगर परिषद पुष्कर के निवर्तमान सभापति कमल पाठक, अरुण वैष्णव एवं अन्य गणमान्य अधिकारी, पदाधिकारी उपस्थित थे। नगर परिषद आयुक्त जनार्दन शर्मा ने बताया कि नगर परिषद

पुष्कर पिछले कई वर्षों से मेलों में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन करती रहती है। इस वर्ष भी स्वच्छता और आत्मनिर्भर भारत के प्रति जन-जन को हास्य और व्यंग्य व कालबेलिया नृत्य के माध्यम से जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। नगर परिषद द्वारा आयोजित नुक्कड़ नाटक में स्वच्छता पर स्वच्छ पुष्कर सुंदर और आत्मनिर्भर भारत के प्रति जनता को जागरुक कर संदेश दिया जा रहा है। यह कार्यक्रम नियमित रूप से जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि नुक्कड़ नाटक की टीम ने पुष्कर की पवित्रता, घाटों को स्वच्छ रखना, प्लास्टिक मुक्त पुष्कर, गीला कचरा अलग-सुखा कचरा अलग, सभी दुकानदार डस्टबिन का प्रयोग करें, गाड़ी आने पर कचरे को कचरा पात्र में डालें, रोड पर गंदगी ना करें, खुले में शौच ना करे- शौचालय का प्रयोग करें जैसे नुक्कड़ नाटक के माध्यम से तथा हास्य और व्यंग्य गीत और कालबेलिया नृत्य के माध्यम से मेला मैदान और उसके आसपास के क्षेत्र में, मुख्य बाजारों एवं घाटों पर जन-जन को जागरूक किया। नाटक में गोपाल बंजारा, महेश वैष्णव, गोपाल कृष्ण शर्मा, सुशीला, कोमल, अनीता, सपेरा धर्म भाट और टीम द्वारा जनता को सरलता से स्वच्छता और आत्मनिर्भर भारत के विषयों पर जागरूक किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी सहित प्रशासनिक अधिकारी रहें फील्ड में

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत् मंगलवार को जिले भर में मतदाताओं को गणना पत्रो का वितरण प्रारंभ किया गया। अभियान की पारदर्शिता, सटीकता एवं समयबद्धपूर्णता को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक और जिलास्तरीय अधिकारी फिल्ड में रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक रंजन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभा गौतम सहित संबंधित विधानसभाओं के निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान बीएलओ द्वारा मतदाताओं को वितरित किए जा रहे गणना प्रपत्रों मतदाता सूची अद्यतन कार्य, फॉर्म संकलन प्रक्रिया एवं मतदाता जागरूकता गतिविधियों का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने गांधीनगर के भाग संख्या 107 के बीएलओ देवकीनन्दन वैष्णव से कार्य की प्रगति, मतदाताओं के साथ संवाद, त्रुटिरहित डेटा संकलन तथा नए पात्र मतदाताओं के पंजीकरण से संबंधित जानकारी ली। चित्तौड़गढ़ विधानसभा की निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बीनू देवल भी उपस्थित रही। कपासन विधानसभा में निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभा गौतम ने उपस्थित बीएलओ को निर्देश दिए कि गणना प्रपत्रों के वितरण एवं संकलन में पारदर्शिता, सटीकता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम वंचित न रह जाए, इसके लिए क्षेत्रवार सत्यापन कार्य सावधानीपूर्वक किया जाए।

पुष्कर मेले का हुआ भव्य समापन मेले हमारी सांस्कृतिक पहचान- भागीरथ चौधरी

-सबके सहयोग से मेला हुआ भव्य- सुरेश सिंह रावत

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। अन्तर्राष्ट्रीय श्री पुष्कर मेला-2025 का समापन बुधवार को पूरी भव्यता के साथ हुआ। इसके समापन समारोह में केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि मेले हमारी सांस्कृतिक पहचान है। ये हमारी संस्कृतिक के प्रतीक है। भारत विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृति है। सनातन काल से भरने वाला पुष्कर मेला इसका प्रमाण है। मेले इस संस्कृति को अक्षुण रखने में मेले महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। मेलों से राष्ट्रीयता, अपनत्व एवं भ्रातत्व में वृद्धि होती है। मेले संस्कृति के अविरल प्रवाह को बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि पुष्कर के इस धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यटक महोत्सव के दौरान सुंदर आयोजन किए गए। इन आयोजनों में कई प्रतियोगिताएं भी हुई। इन प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को निरन्तर आगे बढ़ने के प्रेरणा लेनी चाहिए। साथ ही उप विजेताओं को अगली प्रतियोगिता में विजेता बनने के लिए अभी से तैयारी

आरम्भ कर देनी चाहिए। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि तीर्थराज पुष्कर का पूरे विश्व में विशिष्ट महत्व है। जगतपित ब्रह्मा की नगरी पुष्कर करोड़ों लोगों की आस्था का केन्द्र है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशन में सरकार पुष्कर के विकास के लिए पूरी गंभीरता के साथ काम कर रही है। पुष्कर विकास की बड़ी रूपरेखा तैयार कर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन और धार्मिक दृष्टि से हर साल मेले को पूर्ण भव्यता के साथ आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए है। देश के प्रत्येक व्यक्ति की भावना पुष्कर से जुड़ी हुई है। मेले और पुष्कर विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। पुष्कर मेले को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति है। इस बार मेला पूरी तरह सफल रहा है। जगतपिता ब्रह्मा की नगरी तीर्थराज पुष्कर का भव्य विकास किया जाएगा। उन्होंने मेले के सफल आयोजन पर सभी को बधाई दी। मेला समापन की घोषणा जिला कलक्टर लोक बन्धु ने की। समारोह में 150 से अधिक छात्राओं ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। ऊंट परेड एवं कला जत्था यात्रा का आयोजन भी किया गया। कला जत्था यात्रा में रोबिलो की लंबी मूच्छों एवं हाथ में तलवार ने सबको रोमांचित कर दिया। ऊंट पर मश्क वादन एवं नृत्य भी किया गया। राजेश भाट के दल ने कच्छी घोडी नृत्य के साथ मुंह से अग्नि निकालने का करतब दिखाया।

बूंदी महोत्स व 2025 के आयोजन को लेकर समीक्षा बैठक हुई सम्पिन्न

-शोभायात्रा को भव्यय बनाने के जिला कलक्टोर ने दिए निर्देश

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। बूंदी महोत्स।व, 2025 के आयोजन को लेकर की गई तैयारियों की समीक्षा बैठक जिला कलक्टकर अक्षय गोदारा की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रे।ट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्ट र ने निर्देश दिए कि उपखंड अधिकारी, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जयपुर विद्त वितरण निगम, नगर परिषद की संयुक्तन टीम शोभायात्रा मार्ग का स्वतयं निरीक्षण करके सभी व्वस्थापएं सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि शोभायात्रा के मार्ग पर होने वाली विभिन्नस व्यवस्थारएं की जावें। इसमें स्कूली छात्र-छात्राओं को आवश्य क रूप से शामिल करावें। शोभायात्रा मार्ग पर लाइट, साफ-सफाई, सड़क रिपेयर, पेयजल सहित अन्य् महत्विपूर्ण व्यलवस्थाभएं तुरंत प्रभाव से पूर्ण कर ली जावें। बैठक में बताया गया कि बूंदी महोत्साव के तहत 8 नवंबर को सुबह 8.30 बजे गढ पैलेस पर गणेश पूजा, झंडारोहण के साथ महोत्स व का शुभारंभ होगा। सुबह 8.50 बजे गढ पैलेस

में कैनवास पेटिंग वर्कशाप का उद्घाटन होगा। इसके बाद सुबह 9 बजे नवल सागर से पुलिस परेड ग्राउंड तक भव्यप शोभायात्रा आयोजित होगी। पुलिस परेड ग्राउंड पर सुबह 11 बजे रस्साज कसी, मूंछ प्रतियोगिता, साफा बांधना, पणिहारी दौड़ सहित विविध पारम्पपरिक खेलकूद प्रतियोगिताएं होंगी। शाम 6.30 बजे नवल सागर में दीपदान और 7.15 बजे आतिशबाजी तथा शाम 7.30 बजे डेजर्ट सिम्फोनी सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। महोत्स व के दूसरे दिन 9 नवंबर को सुबह 8.30 बजे गढ पैलेस से रानीजी की बावड़ी तक हैरीटेज वॉक होगी। सुबह 10 बजे सुख महल में कैनवास पेटिंग वर्कशॉप, दोपहर 12.30 बजे सुखमहल में देशी विदेशी पर्यटकों की मान मनुहार व सत्काजर होगा। अपरान्है 3 बजे कुंभा स्टेथडियम में शिल्प ग्राम एवं उद्योग मेला का शुभारंभ होगा। यहीं पर अपरान्हक 3.15 बजे सेण्ड आर्ट फेस्टिवल का उद्घाटन किया जाएगा। नवल सागर पार्क पर शाम 7.15 बजे आतिशबाजी तथा शाम 7.30 बजे सलमान अली की सिने संध्या् का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर मानव श्रृंखला बनाकर दिया एकता का संदेश

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्काउट गाइड डूंगरपुर द्वारा मानव श्रृंखला का निर्माण कर का संदेश दिया। सीओ स्काउट भाविक सुथार ने बतायाकी राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय डूंगरपुर द्वारा फ्लॉक लीडर, गाइड कैप्टन बेसिक कोर्स का आयोजन जिला मुख्यालय डूंगरपुर पर किया जा रहा है जिसमें मंगलवार को शिविर में प्रशिक्षण ले रहें अध्यापिकाओं ने वंदे मातरम मानव श्रृंखला बनाकर एकता का संदेश देते हुए इस अभियान में हिस्सा लिया। इस शिविर के संचालन हेतु राज्य मुख्यालय जयपुर से ब्रिज रानी माथुर लीडर ट्रेनर एवं उमा वर्मा सहायक लीडर ट्रेनर संभागियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। जिसमें सात दिवसीय प्रशिक्षण के पश्चात अध्यापिका अपने विद्यालय में जाकर स्काउट गाइड गतिविधियों का संचालन करेंगे। संचालक दल में सी ओ स्काउट भाविक सुथार, सुशीला डामोर, प्रियंका कटारा, ख्याति जैन, राधिका, मीरा डामोर, मेनका डामोर अंश देसाई, अरमान, अरविंद मीणा एवं अक्षिता कंवर उपस्थित रहें।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम एसआईआर से जुड़े बूथ लेवल एजेंट्स के साथ ही कार्मिकों का प्रशिक्षण

-जिला प्रशासन फील्ड पर सक्रिय, 10 प्रतिशत से अधिक बूथों का निरीक्षण

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान, जयपुर के निर्देशानुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 (Special Intensive Revision – SIR 2026) के तहत बुधवार को जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों द्वारा राजनीतिक दलों से सम्बद्ध बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) के साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, पंचायत सहायकों एवं पटवारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में निर्वाचन विभाग द्वारा जारी नवीन दिशानिर्देशों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को मतदाता सूची के सत्यापन, त्रुटि सुधार, पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने तथा मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने से संबंधित प्रक्रियाओं के बारे में अवगत कराया गया। अधिकारियों

ने बताया कि बीएलए की निर्वाचन प्रक्रिया के महत्वपूर्ण भूमिका हैं। बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) के सहयोगी के रूप में उनकी प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता सूची की शुद्धता और पूर्णता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान हैं। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें एसआईआर-2026 अभियान की समयसीमा, आवश्यक प्रपत्रों के सही भरने की प्रक्रिया तथा फील्ड कार्य के दौरान अपनाए जाने वाले दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग के अधिकारीगण, सुपरवाइजर, बीएलओ एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सभी बीएलए से अपील की कि वे पुनरीक्षण कार्य को गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ संपादित करें तथा अधिक से अधिक पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची पूर्ण, त्रुटिरहित और अद्यतन रूप में तैयार की जा सके।

वंदे मातरम@150 कार्यक्रम की तैयारियों की जिला कलक्टर ने की समीक्षा

-विभिन्न विभागों को सौंपी जिम्मेदारी मुख्य कार्यक्रम 7 को पुलिस लाइन में

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य कार्यक्रम 7 नवम्बर को पुलिस लाइन मैदान में होगा। यह हजारों लोग सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत का गायन करेंगे। वंदे मातरम@150 कार्यक्रमों की व्यापक तैयारियों को लेकर बुधवार को पुलिस लाइन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला कलक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों तथा आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि यह कार्यक्रम देशभक्ति की भावना को सशक्त करने वाला और नई पीढ़ी को राष्ट्रप्रेम से प्रेरित करने वाला हो। उन्होंने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार के निर्देशानुसार यह उत्सव भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा तथा प्रत्येक आयोजन में देशभक्ति की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम 7 नवम्बर को पुलिस लाइन मैदान में आयोजित होगा। इसमें सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी शैक्षणिक संस्थानों, महाविद्यालयों, एनसीसी,

एनएसएस, हिंदुस्तान स्काउट एवं गाइड, पुलिस एवं आरएसी जवानों, सामाजिक संगठनों और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को विद्यार्थियों की उपस्थिति, राष्ट्रगीत गायन तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पर्यटन विभाग को स्थानीय कलाकारों द्वारा वाद्य यंत्रें के साथ सांगीतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित कराने तथा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने डीओआईटी विभाग को कार्यक्रमों के लाइव प्रसारण एवं तकनीकी व्यवस्थाएँ समय पर पूर्ण करने तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर उचित शेड, मेटिंग एवं अन्य प्रबंध सुनिश्चित करने को कहा। सभी तैयारियों की वास्तविक स्थिति परखने के लिए जिला कलक्टर ने अधिकारियों के साथ पुलिस लाइन मैदान पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक सुधार के लिए निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार 10 नवम्बर को सभी सरकारी कार्यालयों में वंदे मातरम@150 एवं स्वदेशी संकल्प कार्यक्रम, 11 नवम्बर को नगर निकाय कार्यालयों में, 12 नवम्बर को पंचायती राज संस्थानों में, 13 नवम्बर को सभी स्कूलों एवं छात्रवासों में, 14 नवम्बर को उच्च शिक्षा संस्थानों में तथा 15 नवम्बर को अस्पतालों एवं पुलिस थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान जिले में 4 से 18 नवम्बर तक होगा संचालित

-सड़क सुरक्षा सुदृढ़ीकरण एवं दुर्घटना रोकथाम के लिए व्यापक कार्रवाई सुनिश्चित करें- जिला कलक्टर

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान 4 नवम्बर से 18 नवम्बर तक संचालित किया जा रहा है। जिला कलक्टर लोकबंधु ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को अभियान के सफल संचालन के लिए निर्देशित किया है। अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, मृत्यु दर घटाना, यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करना तथा नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना बढ़ाना है। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जिलों में यह अभियान प्रभावी रूप से चलाया जाएगा। जिले में इस अभियान के सफल संचालन के लिए परिवहन, पुलिस, सार्वजनिक निर्माण, श्रम एवं चिकित्सा विभाग सहित संबंधित सभी विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। जिला कलक्टर ने बताया कि प्रत्येक नागरिक को यातायात नियमों का पालन करते हुए सड़क सुरक्षा में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर सुधारात्मक कार्रवाई तत्काल प्रारंभ की जाए और आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने गृह विभाग के अधिकारियों को अभियान का फील्ड-लेवल समन्वय एवं पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शराब पीकर, तेज गति से, गलत दिशा में एवं बिना हेलमेट तथा सीट बेल्ट वाहन चलाने वालों के विरुद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान चलाने को निर्देशित किया। सभी राजमार्गों पर पुलिस टीमें तैनात रहकर सतत निगरानी करेंगी। साथ ही हाईवे मोबाइल यूनिट एवं एम्बुलेंस की कार्यक्षमता को भी बढ़ाया। उन्होंने परिवहन विभाग के अधिकारियों को ओवरलोडिंग, अनाधिकृत संचालन व फिटनेस उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करने को निर्देशित किया। उन्होंने दोहराए गए ओवरस्पीड तथा शराब सेवन मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन एवं निरस्तीकरण की कार्यवाही करने को निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला स्तर पर संयुक्त निरीक्षण दल गठित कर वाहन चैकिंग अभियान चलाएं। वाहन पर रिफ्लेक्टर टेप लगाएं एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जाएं।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए उपखंड अधिकारियों ने किया मुख्य सड़क मार्गों का निरीक्षण

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री महोदय की मंशा और जिला कलक्टर डॉ. मंजू के निर्देश पर बुधवार को जिले के उपखंड अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा के तहत सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए मुख्य सड़कों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, चिन्हित ब्लैक स्पॉट को समाप्त करने और आमजन में सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए आवश्यक गतिविधियां करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। श्रीगंगानगर एसडीएम नयन गौतम, सूरतगढ़ एसडीएम भारत जयप्रकाश मीणा, श्रीकरनपुर एसडीएम श्योराम,

घड़साना एसडीएम प्रिया बजाज सहित अन्य उपखण्ड अधिकारियों ने मुख्य सड़क मार्गों का निरीक्षण किया। इस दौरान उपखंड अधिकारियों ने सड़क मार्गों पर अवैध रूप से संचालित हो रहे ढाबों और अतिक्रमणों को चिन्हित कर हटाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

रोमांस के बाद एडल्ट कॉमेडी लेकर आए मिलाप जावेरी

मंबई। रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदसानी की एडल्ट कॉमेडी फ्रेंचाइजी मस्ती का चौथा भाग 'मस्ती 4' का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज हो गया है। 3 मिनट 4 सेकंड के इस ट्रेलर को देखकर पता चलता है कि फिल्म का कॉन्सेप्ट एक बार फिर एडल्ट कॉमेडी ही है। जहां फिल्म के तीनों प्रमुख कलाकार रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदसानी एडल्ट जोक मारते नजर आएंगे। ट्रेलर में भी कई तरह के एडल्ट जोक सुनाई दे रहे हैं। मस्ती 4 का निर्देशन रोमांटिक फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' फेम निर्देशक मिलाप जावेरी ने किया है।

लाइफ Style

यामी

मेरे लिए दर्शक ही सबसे बड़ा पुरस्कार

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म हक को लेकर चर्चाओं में बनी हुई है। हक अपनी रिलीज के करीब है और यामी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। विकी डोनर से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली यामी गौतम ने अपने कॅरियर में कई सराहनीय भूमिकाएं भी निभाई हैं।

अब यामी ने कोई बड़ा अवॉर्ड न जीत पाने पर कहा कि इन पुरस्कारों को खोना उन्हें परेशान नहीं करता। इस दौरान भगवत गीता का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि जितना मैंने भागवत गीता को समझा है, भगवान कृष्ण ने अर्जुन से जो कहा वह सच है। ऐसा नहीं है कि मैं सबसे आदर्श इंसान की तरह इतनी अलग हो गई हूं, लेकिन अगर आपमें सफलता और हारने के डर से अलग होने या किसी और के नजरिए से मान्यता पाने की क्षमता है, तो आप ठीक हैं। मैंने किसी से किसी भी तरह की मान्यता लेना बंद कर दिया है। अगर अवॉर्ड मिलता है तो मैं बहुत अच्छी एक्ट्रेस हूं, वरना शायद नहीं हूं। ऐसा मेरे साथ बिल्कुल भी नहीं है। साल 2013 में आई अपनी पहली फिल्म विकी डोनर के लिए यामी ने बेस्ट डेब्यू फीमेल के कई अवॉर्ड जीते थे। लेकिन, उसके बाद कई बड़े अवॉर्ड्स में नामित होने के बाद भी, यामी उन्हें जीत नहीं पाईं। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि अब वह दर्शकों की प्रतिक्रिया से अपनी मान्यता लेती है। मेरे दर्शक मुझे प्यार करते हैं, कुछ निर्देशक और निर्माता मुझ पर दांव लगाने को तैयार हैं, इससे बड़ा पुरस्कार मेरे लिए क्या है। बाकी सब आना जाना है। लेकिन अगर यह किसी को खुश करता है, तो बढ़िया।

हॉलीवुड मसाला

जोनाथन को मिला अजीब टाइटल

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेता जोनाथन बेली को पीपल मैगजीन ने सेक्सिएस्ट मैन अलाइव 2025 का खिताब दिया है। यह जानकारी सोमवार को जिमी फॉलन के शो में शेयर की गई। इस बात की जानकारी जब जोनाथन बेली को लगी तो उन्होंने अपना रिएक्शन दिया। जिमी फॉलन के शो में ब्रिटिश एक्टर जोनाथन बेली ने बताया कि अपने नए खिताब की जानकारी उन्हें साल की शुरुआत में मिली। वह मजाकिया अंदाज में कहते हैं, मैं खुश हूं कि 2025 में पीपल मैगजीन ने मुझे इस खिताब के लिए चुना। मैं इस अचीवमेंट की कद्र करता हूं।

चाइनाटाउन और वाइल्ड हार्ट से जीता दर्शकों का दिल

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस डायने लैड अब इस दुनिया में नहीं हैं। 200 से अधिक फिल्मों में काम करने वाली अमेरिकी एक्ट्रेस का 89 साल की उम्र में निधन हो गया है। चाइनाटाउन और वाइल्ड एट हार्ट जैसी फिल्मों से दिल जीतने वाली डायने लैड के निधन ने हर किसी को सदमे में डाल दिया है। तीन बार ऑस्कर अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन पा चुकीं एक्ट्रेस की बेटी लॉरा डर्न ने मां के निधन की पुष्टि करते हुए दुखद खबर शेयर की है। लॉरा डर्न ने मां को अद्भुत अभिनेत्री और मां के रूप में एक उपहार बताया है। डायने लैड का वायरल हो रहा आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट कई हफ्ते पहले, 17 सितंबर, 2025 का है। इसमें उन्होंने फैंस के साथ यह खबर शेयर की थी कि उनकी 2020 की फिल्म 'द लास्ट फुल मेजर' को कई प्लेटफार्मों पर ओटीटी रिलीज मिली है।

एक बार फिर अपराध को मिटाने निकलीं

मुंबई। नेटफ्लिक्स की हिट सीरीज 'दिल्ली क्राइम' अपने नए सीजन के साथ वापस लौट रहा है। अब इस सीरीज के तीसरे सीजन का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज किया गया है। जिसे देखकर पता चलता है कि इस बार कहानी पिछले दोनों सीजन से ज्यादा इंटेंस और खतरनाक होने वाली है। इस बार डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी (शेफाली शाह) का मुकाबला हुमा कुरैशी से होगा। तीसरे सीजन में कहानी दिल्ली से आगे निकलती है। 2 मिनट 31 सेकंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि देश के अलग-अलग राज्यों की लड़कियों की तस्करी की जा रही है। इन लडकियों के बेचने का काम हुमा (बड़ी दीदी) करती हैं। इस गिरोह का पर्दाफाश करने की जिम्मदारी शेफाली (डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी) को मिलती है। बड़ी दीदी को पकड़ने के लिए डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी अपनी टीम के साथ लग जाती हैं।

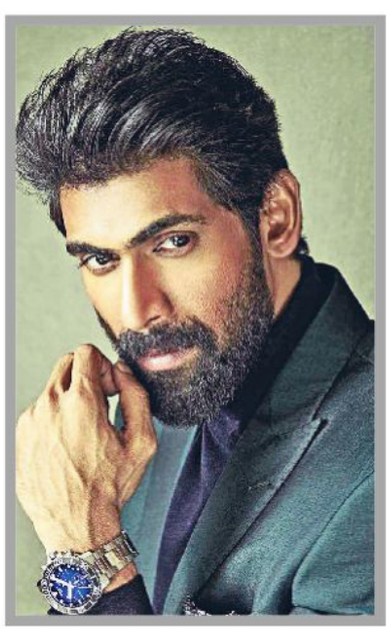

हिंदी फिल्म में काम करेंगे दग्गुबाती

मुंबई। बाहुबली फेम अभिनेता व निर्माता राणा दग्गुबाती की प्रोडक्शन कंपनी स्पिरिट मीडिया ने अपनी पांच आगामी फिल्मों की घोषणा कर दी है। सबसे खास बात कि इस लिस्ट में राणा दग्गुबाती के प्रोडक्शन हाउस की पहली हिंदी फिल्म भी शामिल है। इसमें बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी नजर आएंगे। राणा दग्गुबाती के स्पिरिट मीडिया की पहली हिंदी फिल्म अरविंद अडिगा के लोकप्रिय उपन्यास 'लास्ट मैन इन टावर' का रूपांतरण होगी। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी प्रमुख भूमिका में होंगे। इस फिल्म का निर्देशन अमेरिकी निर्देशक बेन रेखी करेंगे, जिन्होंने पहले आश्रम (2018) और वॉच लिस्ट (2019) का निर्देशन किया था। फिल्म की कहानी भारत की पृष्ठभूमि में नैतिक समझौतों, महत्वाकांक्षाओं और मानवीय रिश्तों की नाजुकता को दर्शाती है।

टीवी मसाला

मॉर्डन लव की जर्नी दिखाएगा शो स्प्लिट्सविला एक्स-6

नई दिल्ली। सीरियल 'कितनी मोहब्बत है'से करण कुंद्रा को पॉपुलैरिटी मिली। इसके बाद वह कई टीवी सीरियल का हिस्सा बने। आगे चलकर रियलिटी शो के होस्ट के तौर पर भी नजर आए। एमटीवी के रोडीज और लव स्कूल को करण कुंद्रा होस्ट कर चुके हैं। जल्द ही वह 'स्प्लिट्सविला एक्स-6' को होस्ट करेंगे। शो में उनकी को-होस्ट सनी लियोनी हैं। 'स्प्लिट्सविला एक्स-6' को लेकर करण कुंद्रा काफी एक्साइटेड हैं। एक बातचीत में कहते हैं, 'मैं 6 साल बाद एमटीवी पर वापस आ रहा हूं, यह बिल्कुल घर लौटने जैसा है। स्प्लिट्सविला शो तो मुझे हमेशा पसंद है। यह शो मॉर्डन लव की जर्नी को दिखाता है। स्प्लिट्सविला के नए सीजन को सनी लियोनी के साथ होस्ट करना एक शानदार एक्सपीरियंस होगा। मैं यह देखने के लिए एक्साइटेड हूं कि कंटेस्टेंट्स क्या नए ट्विस्ट शो में लेकर लाते हैं। मुझे भरोसा है कि यह सीजन पहले से ज्यादा बोल्ड होगा, सरप्राइज से भरा होगा। करण कुंद्रा ने तनुज विरवानी को स्प्लिट्सविला के नए सीजन में रिप्लेस किया है। जहां तक शो के कॉन्सेप्ट की बात है तो इसमें यंग लड़के, लड़कियां एक विला में साथ रहते हैं। यहां पर वह किसी खास शख्स के प्यार को पाने की कोशिश करते हैं। शो के दौरान कंटेस्टेंट्स को कई टास्क भी दिए जाते हैं। शो के आखिरी में एक कपल को विनर बनाया जाता है।

बिग बॉस 19 बन गया जंग का मैदान

नई दिल्ली। बिग बॉस 19 के अपकमिंग एपिसोड के कुछ प्रोमो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। शहबाज का पारा इन वीडियो में काफी गर्म नजर आ रहा है। वह मालती चाहर और तान्या मित्तल से बहसबाजी करते दिख रहे हैं। प्रोमो वीडियो में मालती चाहर ने शहबाज को कहा कि वह अमाल का सहारा ले रहा है। इस पर शहबाज ने मालती को दोगला कहा। शहबाज का कहना था कि कम से कम वह किसी के कंधे पर रखकर बंदूक तो नहीं चलता है।

दोनों की यह बातचीत धीरे-धीरे झगड़े में बदल गई। अमाल मलिक ने बीच में आकर दोनों को चुप कराना चाहा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। एक और प्रोमो वीडियो में तान्या मित्तल को भी शहबाज ने काफी कुछ सुनाया। वह कहते हैं, 'मैं बताता हूं तान्या की सच्चाई। यह हर बात पर रोती है, लोगों को बताना चाहती है कि मैं कितनी अच्छी हूं।' आगे अशनूर ने भी तान्या पर तंज कसा कि वह सिम्पेथी कार्ड खेल रही है। पिछले हफ्ते बिग बॉस 19 से स्टैंडअप कॉमेडियन प्रणीत मोरे बाहर हुए। इस हफ्ते भी कई प्रतियोगी घर से बाहर होने के लिए नॉमिनेट होंगे। इन दिनों शो में सबसे ज्यादा चर्चा में सिंगर अमाल मलिक, तान्या मित्तल और मालती चाहर हैं।

आलिया-शर्वरी की फिल्म अल्फा की रिलीज टली

मुंबई। आलिया भट्ट, शर्वरी वाघ और बॉबी देओल स्टारर अल्फा की रिलीज टल गई है। वीआरएफ स्पाई यूनिवर्स की यह एक्शन एंटरटेनर पहले इसी साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब इसे अगले साल अप्रैल, 2026 तक के लिए पोस्टपोन कर दिया गया है। अब यह फिल्म 17 अप्रैल, 2026 को रिलीज होगी। बताया गया है कि फिल्म के वीएफएक्स का काम अभी बाकी है और इसे बेहतरीन विजुअल एक्सपीरियंस देने के लिए अभी और वक्त लगेगा। 'अल्फा' के साथ ही 'स्पाई यूनिवर्स' में आलिया भट्ट और शर्वरी वाघ की एंट्री होने वाली है। इस फिल्म में अनिल कपूर भी नजर आएंगे, जो हाल ही फ्रेंचाइज की फिल्म 'वॉर 2' में भी नजर आए थे। 'अल्फा' को पोस्टपोन करने का फैसला ऐसे समय आया है, जब फ्रेंचाइजी की पिछली दो फिल्में 'वॉर 2' और 'टाइगर 3' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर पाईं। समझा जा रहा है कि मेकर्स ऐसे में सीरीज की अगली फिल्म में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। यशराज फिल्म्स के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा है,'अल्फा, हमारे लिए बेहद खास फिल्म है और हम इसे सबसे बेहतरीन सिनेमाई अंदाज में दर्शकों के सामने पेश करना चाहते हैं। हमें एहसास हुआ कि वीएफएस में पहले के अनुमान से अधिक समय लगेगा। हम इसमें कोई भी कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं और अल्फा को एक ऐसी थिएट्रिकल एक्सपीरियंस बनाना चाहते हैं, जिसे लोग याद रखें।

किंग में शाहरुख का विलेन राघव और अभिषेक से तगड़ी भिड़ंत, बाप-बेटी मचाएंगे तबाही

शाहरुख खान ने अपने 60वें जन्मदिन पर अपनी फिल्म 'किंग' के टाइटल को रिलीज किया। अब फिल्म से जुड़ी कुछ बातें निकलकर सामने आई हैं। इनमें सबसे बड़ी बात ये है कि फिल्म में दो टाइमलाइन होंगी। शाहरुख की लाइफ के अलग-अलग फेज दिखाए जाएंगे।

मुंबई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख खान के 'किंग' की दो अलग-अलग टाइमलाइन होंगी। कथित तौर पर, एक्टर अपनी लाइफ के कई फेजेस में अपना किरदार निभाते नजर आएंगे। रिपोर्ट की मानें तो शाहरुख खान के किरदार का यंग वर्जन राघव जुयाल से लड़ेगा, जो कथित तौर पर एक खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। इस बीच, रिपोर्ट के अनुसार बड़े किंग विलन अभिषेक बच्चन से भिड़ेंगे। शाहरुख और अभिषेक कई सालों बाद फिर से पर्दे पर साथ नजर आएंगे। दोनों ने आखिरी बार कभी अलविदा ना कहना और हैप्पी न्यू ईयर में साथ काम किया था। वहीं, राघव जुयाल ने हाल ही में शाहरुख के बेटे आर्यन खान के निर्देशन में बनी पहली फिल्म द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग से सभी को चौंका दिया था। इस फिल्म से शाहरुख की बेटी सुहाना खान बड़े पर्दे पर डेब्यू करेंगी। उन्होंने नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से अपने एक्टिंग कॅरियर की शुरुआत की थी। पिता-बेटी की इस जोड़ी के अलावा, फिल्म में अनिल कपूर, दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत, जीशु सेनगुप्ता, अक्षय ओबेरॉय, राघव जुयाल, अभय वर्मा और सौरभ शुक्ला भी हैं। सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बिना बैट थामे, मैदान के बाहर रहकर असली खिलाड़ी बनकर दिखाया

क्रिकेट बोर्ड के पास नहीं थे पैसे, तब इस एक्ट्रेस ने खुद उठाया पूरा खर्चा

नई दिल्ली। वो अक्सर कैमरे के सामने मुस्कुराती दिखती थीं। कभी क्रिकेट शो होस्ट करते हुए, कभी किसी इवेंट में अपने स्टाइल से सबका ध्यान खींचते हुए। लेकिन, किसी को नहीं पता था कि कैमरे के पीछे वो कुछ ऐसा कर रही थीं, जो इतिहास में दर्ज हो जाएगा। 2000 के दशक की शुरुआत में जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पास फंड नहीं था, तब एक टीवी स्टार और एक्ट्रेस ने चुपचाप मदद का हाथ बढ़ाया। आखिर कौन थीं वो बॉलीवुड की इनविजिबल स्पॉन्सर? अगर आप अब तक समझ नहीं पाए हैं तो आपको बता दें कि वह कोई और नहीं, बल्कि बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस मंदिरा बेदी हैं।

जब पैसों से नहीं दिल से हुई मदद

दरअसल, मंदिरा बेदी ने उस वक्त महिला क्रिकेट टीम को संभाला जब उनके पास जर्नी तक के पैसे तक नहीं थे। उन्होंने अपनी कमाई, यानी पूरी एंडोर्समेंट फीस, टीम को दे दी ताकि खिलाड़ी विदेश में खेल सकें, टिकट खरीद सकें और तैयारी जारी रख सकें। इतना ही नहीं, उन्होंने एक ज्वेलरी ब्रांड को भी टीम के स्पॉन्सर के रूप में जोड़ने में अहम भूमिका निभाई। ये किसी फिल्मी स्क्रिप्ट जैसा था, जहां ग्लैमर वर्ल्ड की स्टार पर्दे के पीछे असली हीरो बन गईं।

जिसने बदलाव की नींव रखी

मंदिरा बेदी की ये मदद उस समय किसी चमत्कार से कम नहीं थी। जब महिला क्रिकेट को लेकर किसी को भरोसा नहीं था, तब उन्होंने बिना किसी शोर के अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। उनकी वजह से खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिला, टीम टूटी नहीं, बल्कि और मजबूत होती गई। वक्त बीतता गया, हालात बदले और आखिर 2006 में बीसीसीआई ने महिला क्रिकेट को अपने अधीन ले लिया। तब जाकर दुनिया को समझ आया कि कभी किसी ने चुपचाप इस सपने को जिंदा रखा था। मंदिरा बेदी ने बिना बैट थामे, मैदान के बाहर रहकर असली खिलाड़ी बनकर दिखाया।

खबर संक्षेप

जिम्बाब्वे की टीम से बाहर हुए पूर्व कप्तान विलियम्स

हरारे। जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान सीन विलियम्स अब कभी अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की तरफ से नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उन्होंने खुलासा किया है कि नशे की लत के कारण उन्होंने कुछ मैच नहीं खेले थे। जिम्बाब्वे क्रिकेट के अनुसार विलियम्स को राष्ट्रीय टीम से हमेशा के लिए बाहर कर दिया गया है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने इस बात की जांच की कि सितंबर में टी-20 विश्व कप क्वालीफाइंग प्रतियोगिता की पूर्व संध्या पर विलियम्स ने अचानक टीम से नाम वापस क्यों ले लिया था। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा, 'जांच के दौरान विलियम्स ने खुलासा किया कि वह नशे की लत से जूझ रहे हैं और स्वेच्छा से रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया से गुजरना चाह रहे हैं।'

पाकिस्तान ने द. अफ्रीका को दो विकेट से हराया

फैसलाबाद। पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका की अपेक्षाकृत कमजोर टीम के खिलाफ कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों के सहयोग से पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दो विकेट से जीत दर्ज की। पाकिस्तान के सामने 264 रन का लक्ष्य था लेकिन अच्छी शुरुआत के बावजूद उसकी पारी लड़खड़ा गई और आखिर में वह अंतिम ओवर में आठ विकेट खोकर लक्ष्य तक पहुंच पाया। इस बीच दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम पांच ओवरों में चार विकेट लेकर पाकिस्तान को मुश्किल में डाल दिया था।

वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को 7 रन से हराया

आकलैंड। वेस्टइंडीज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए कम स्कोर वाले पहले टी20 मैच में न्यूजीलैंड को सात रन से हरा दिया। कप्तान शाई होप ने 39 गेंद में 53 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर छह विकेट पर 164 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने दसवें ओवर तक दो विकेट खोकर 70 रन बना लिए थे लेकिन इसके बाद सात विकेट 37 रन के भीतर गिर गए और 17वें ओवर में स्कोर नौ विकेट पर 107 रन था । न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनेर ने ऐसे में 28 गेंद में 55 रन बनाकर उम्मीद जगाई। उन्होंने 18वें ओवर में मैथ्यू फोर्डे को चार चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद 19वें ओवर में जैसन होल्डर को पहली तीन गेंदों पर चौके लगाए। आखिरी ओवर में न्यूजीलैंड को 20 रन की जरुरत थी और सेंटनेर ने तीसरी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड को छक्का लगाया।

बांग्लादेश महिला टीम में बवाल, गेंदबाज जहांआरा ने कहा- कप्तान करती हैं जूनियरों की पिटाई

एजेंसी ▶▶| ढाका

बांग्लादेश की महिला टीम से बाहर चल रही तेज गेंदबाज जहांआरा आलम ने आरोप लगाया है कि कप्तान निगार सुल्ताना जूनियर क्रिकेटरों की पिटाई करती हैं। देश के क्रिकेट बोर्ड ने हालांकि इस आरोप को निराधार और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया है। बांग्लादेश के अखबार 'कलेर कांथो' को दिए साक्षात्कार में आलम ने भारत और श्रीलंका में हुए महिला वनडे विश्व कप में टीम के सातवें स्थान पर रहने के बाद मौजूदा कप्तान, कुछ साथियों, कोचिंग स्टाफ और टीम प्रबंधन पर कई चौंकाने वाले आरोप लगाए।

माफी मांगने पर की जाती पिटाई

आलम ने कहा, 'यह कोई नई बात नहीं है। निगार जूनियर खिलाड़ियों को बहुत पीटती है। यहां तक कि विश्व कप के दौरान भी जूनियर खिलाड़ियों ने मुझे बताया कि माफी मांगने पर भी उनकी पिटाई की जाती थी। मुझे कुछ खिलाड़ियों ने बताया कि उनकी पिटाई हुई थी। यहां तक कि दुबई दौरे के दौरान भी, उसने एक जूनियर को कमरे में बुलाया और उसे थप्पड़ मार दिया।'

टीम के अंदर माहौल बहुत खराब

जहांआरा ने आरोप लगाया कि टीम के अंदर माहौल बहुत खराब है और इसीलिए उन्हें मानसिक स्वास्थ्य कारण से ब्रेक लेना पड़ा था। आलम ने कहा, 'मैं अकेली नहीं हूं, बांग्लादेश टीम में हर कोई कमोबेश पीड़ित है। हर किसी की पीड़ा अलग है। टीम में केवल एक या दो खिलाड़ियों को ही अच्छी सुविधा मिलती हैं।'

बीसीबी ने किया आरोपों को खारिज

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आरोपों को तुरंत खारिज कर दिया। बीसीबी ने एक बयान में कहा, 'बीसीबी इन आरोपों का स्पष्ट तौर पर और दृढ़ता से खंडन करता है, जो निराधार, मनगढ़ंत और सच्चाई से परे हैं।'

आज दोपहर 1:45 बजे से चौथा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी, बड़े स्कोर पर गिल की निगाह

एजेंसी ▶▶| कैराहा (गोल्ड कोस्ट)

अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले शुभमन गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार 6 नवंबर को होने वाले चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश करेंगे, जिसमें भारतीय टीम जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। तीन मैचों के बाद श्रृंखला 1-1 से बराबर है लेकिन ऑस्ट्रेलिया की टीम कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में थोड़ा कमजोर नजर आ रही है। पिछले मैच में जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से स्पष्ट अंतर नजर आया था जब भारत 186 रनके लक्ष्य को हासिल करके श्रृंखला बराबर करने में सफल रहा था। चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया को ट्रेविस हेड की भी कमी खलेगी क्योंकि सलामी बल्लेबाज को एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में खेलना है। ऑस्ट्रेलिया की टीम के इन दोनों प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में भारत के पास गाबा में अंतिम मैच से पहले 2-1 की बढ़त हासिल करने का यह सबसे अच्छा मौका है।

- तीन मैचों के बाद श्रृंखला 1-1 से बराबर

गिल अभी तक नहीं दिखें चिर परिचित लय में

हालांकि, भारतीय टीम प्रबंधन को टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की फॉर्म थोड़ी परेशान कर सकती है, क्योंकि उन्होंने अब तक ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में छह मैच खेले हैं और एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। एकदिवसीय श्रृंखला की शुरुआत से अब तक उनके स्कोर का क्रम 10, 9, 24, नाबाद 37, 5 और 15 है। अभी तक केवल एक बार वह अच्छी फॉर्म में दिखे थे। वह कैनबरा में था जब उन्होंने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ अच्छी साझेदारी की थी। बारिश के कारण यह मैच रद्द कर दिया गया था। गिल को फुल लेंथ की गेंदों से परेशानी हो रही है, जिनमें मूवमेंट की झलक दिख रही है। चिंता की बात यह है कि गिल अभी तक अपनी चिर परिचित लय में नहीं दिखे हैं।

अर्शदीप के होने से गेंदबाजी विभाग अधिक मजबूत

अर्शदीप सिंह के शामिल होने से गेंदबाजी विभाग अधिक मजबूत दिखता है, जबकि कुलदीप यादव को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के लिए वापस भेज दिया गया है। टीम प्रबंधन का मुख्य मुद्दा हमेशा से यह रहा है कि कुलदीप और अर्शदीप दोनों को एक साथ नहीं खिलाया जा सकता। लेकिन फिलहाल ऐसी कोई समस्या नजर नहीं आती है। वाशिंगटन सुंदर की मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी मजबूत नजर आती है। वाशिंगटन ने पिछले मैच में 23 गेंद पर नाबाद 49 रन बनाकर भारत को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मार्श और डेविड पर निर्भर ऑस्ट्रेलियाई टीम

ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए कप्तान मिशेल मार्श और टिम डेविड पर काफी हद तक निर्भर रहेगी। हेड की अनुपस्थिति में मार्श मैथ्यू शॉर्ट को अपना सलामी जोड़ीदार बना सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को हालांकि अपने गेंदबाजी विभाग में बदलाव करने पड़ सकते हैं क्योंकि सीन एबॉट अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और बेन इवार्शुइस या महली बियर्डमैन में से किसी एक को उनकी जगह पर लाया जा सकता है।

टीमें इस प्रकार

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया: मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम जम्पा, महली बियर्डमैन, बेन इवार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

आईसीसी रैंकिंग

अभिषेक और रोहित टॉप पर गिल और आजम को नुकसान

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने बुधवार को इस हफ्ते की ताजा रैंकिंग जारी कर दी हैं। इस बार फिर से टी20 इंटरनेशनल में भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की बादशाहत बरकरार रही है।

वहीं रोहित शर्मा एक बार फिर से वनडे क्रिकेट के नंबर 1 बल्लेबाज बने हुए हैं। इसके अलावा भारतीय कप्तान शुभमन गिल को और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को नुकसान उठाना पड़ा है। अभिषेक शर्मा लंबे समय से अब टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 पर बरकरार हैं।

वहीं पिछले हफ्ते अपने करियर में पहली बार वनडे इंटरनेशनल में नंबर 1 वन बने रोहित शर्मा भी अपनी टॉप पोजीशन पर काबिज हैं। वनडे गेंदबाजों की लिस्ट में कुलदीप यादव को फायदा मिला है।

विश्व शतरंज कप : दिप्तायन घोष ने नेपोम्नियाची को हराकर उलटफेर किया

पणजी। ग्रैंडमास्टर दिप्तायन घोष ने विश्व शतरंज कप में सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पूर्व विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर रूस के इयान नेपोम्नियाची को दूसरे दौर के दूसरे गेम में हरा दिया । एकतरफा मुकाबले में घोष ने उन्हें कोई मौका ही नहीं दिया । जीत के बाद उन्होंने कहा ," यह मेरे शतरंज कैरियर की सबसे बड़ी जीत है ।" इससे पहले ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा तीसरे दौर में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए जिन्होंने रूस के अर्सेनी नेस्तेरोव को मात दी । वहीं विश्व जूनियर चैम्पियन वी प्रणव को नॉर्वे के आर्यन तारी ने हराया । अर्जुन एरिगेसी ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए बुल्गारिया के मार्टिन पेट्रोव को मात दी । अब वह 20 लाख डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेंट में अंतिम 64 के दौर में पहुंच गए हैं ।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वैभव का पहला अर्धशतक, शतक से सात रन रहे दूर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

युवा तूफानी ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बिहार के लिए खेलते हुए रणजी ट्रॉफी के इस सीजन में मेघालय के खिलाफ अपनी टीम के लिए पहली इनिंग में तूफानी पारी खेली, लेकिन वो अपने शतक से सिर्फ 7 रन से चूक गए। फर्स्ट क्लास करियर में वैभव ने अपने कॅरियर का पहला अर्धशतक जड़ा। इस सीजन में बिहार ने अपना तीसरा मैच मेघालय के लिए खेला और ये ड्रॉ पर समाप्त हुआ, लेकिन वैभव की बैटिंग इस मैच में बेहतरीन रही।

मैच बिना किसी नतीजे के समाप्त

इस मैच में पहले दो दिन का खेल बारिश की वजह से खेला ही नहीं जा सका और जब तीसरे दिन टॉस हुआ तब बिहार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद मेघालय ने पहली पारी में 7 विकेट पर 408 रन बनाकर पारी की घोषणा कर दी। इसके जबाव में बिहार ने 4 विकेट पर 156 रन बनाए और मैच बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गया। वैभव के अलावा पहली पारी में बिहार के लिए मंगल महरौर ने 25 रन की पारी खेली जबकि बिपिन सौरव ने 15 रन बनाए। वहीं इस मैच में बिहार के खिलाफ पहली पारी में मेघालय के लिए अजय दुहान ने 129 रन की बेहतरीन पारी खेली जबकि स्वस्तिक छेत्री ने 94 रन बनाए। मेघालय के लिए आकाश चौधरी 60 रन बनाकर नाबाद रहे।

सूर्यवंशी ने 67 गेंदों पर खेली 93 रन की पारी

वैभव का बिहार के लिए इस सीजन में ये तीसरा मैच था और उन्होंने इस सीजन में पहला अर्धशतक लगाने में सफलता हासिल की। हालांकि उनके पास शतक लगाने का मौका था, लेकिन वो इससे चूक गए और 67 गेंदों पर 93 रन की पारी खेलकर आउट हो गए। वैभव ने इस दौरान अपनी पारी में 4 छक्के और 9 चौके भी लगाए जबकि उनका स्ट्राइक रेट 138.81 का रहा। वैभव का इस मैच में भी अंदाज नहीं बदला और वो रेड बॉल क्रिकेट में भी टी20 की तरह ही खेलते नजर आए। फर्स्ट क्लास करियर में ये वैभव का पहला अर्धशतक रहा साथ ही उनकी ये अब तक की सबसे बड़ी पारी भी रही।

एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित लाबुशेन की वापसी

गोल्ड कोस्ट। लगातार लचर प्रदर्शन के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पाने वाले मार्नस लाबुशेन की एशेज श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी हुई है। चयनकर्ताओं ने इस अनुभवी बल्लेबाज को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया। लाबुशेन खराब फॉर्म के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे लेकिन इस बीच उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे वह वापसी करने में सफल रहे। सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड 21 नवंबर से पर्थ में होने वाले मैच से टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं। उन्हें मैट रेनशॉ और सैम कोंस्टास पर तरजीह दी गई है, हालांकि अभी यह तय नहीं है कि उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा। वेदरल्ड पिछले साल शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में 50.33 की औसत से 906 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे थे।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

गॉफ ने पाओलिनी को हराया अब सबालेंका से होगी भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| रियाद

गत चैंपियन कोको गॉफ ने जैस्मीन पाओलिनी पर 6-3, 6-2 से जीत के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। गॉफ को टूर्नामेंट के अपने शुरुआती मुकाबले में जेसिका पेगुला से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा था। उनका अगला मुकाबला शीर्ष रैंकिंग वाली एरिना सबालेंका से होगा। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें इस मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। सबालेंका ने पेगुला को 6-4, 2-6, 6-3 से हराकर पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है। पाओलिनी लगातार दो मैच में हार से सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई है। वह अपनी जोड़ीदार सारा इरानी के साथ इस प्रतियोगिता में युगल मुकाबला भी खेल रही हैं।

भारत ए बनाम द.अफ्रीका ए के बीच दूसरा मैच आज सुबह 9.30 बजे से शुरू

फिटनेस बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे पंत

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत पहले मैच की तरह अपनी फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे जबकि मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी गुरुवार 6 नवंबर से तेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में लाल गेंद से महत्वपूर्ण मैच अभ्यास हासिल करने की कोशिश करेंगे।

पंत ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के इसी मैदान पर पिछले सप्ताह खेले गए पहले मैच में विकेटकीपर के रूप में 139.3 ओवर बिना किसी परेशानी के खेले और साथ ही बल्लेबाज के रूप में 133 गेंदें खेली। उन्होंने दूसरी पारी में 90 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी फॉर्म का भी अच्छा परिचय दिया। फिटनेस की चिंता पूरी तरह से पीछे छूट जाने के बाद बाएं हाथ का यह बल्लेबाज अब 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले एक बार फिर अपने खेल के चरम पर पहुंचने की कोशिश करेगा।

द.अफ्रीका श्रृंखला बराबर करने के इरादे से उतरेगी

सिराज, केएल राहुल और कुलदीप स्वदेश लौटने से पहले भारत के ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा सफेद गेंद के दौरे का हिस्सा थे और अब वे दक्षिण अफ्रीका ए जैसी प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ अपने लाल गेंद के कौशल को निखार सकते हैं। पहले मैच में भारतीय टीम ने तीन विकेट से जीत हासिल की थी और दक्षिण अफ्रीका की टीम अब श्रृंखला बराबर करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। बल्लेबाजों के नजरिए से, दक्षिण अफ्रीका ए के तेज गेंदबाजों ने पहले मैच के अंतिम दिन शॉर्ट पिच गेंद की रणनीति का अच्छा इस्तेमाल किया और पंत सहित अधिकतर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया था।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत ए : ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बराड़, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, कुलदीप यादव।

दक्षिण अफ्रीका ए : मार्केस एकरमैन, तेम्बा बावुमा (कप्तान), ओकुहले सेले, जुबैर हमजा, जॉर्डन हरमन, रुबिन हरमन, रिवाल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली मपोंगवाना, लेसेगो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रायेन, काइल सिमंड्स, त्सेपो नदवांडवा, जेसन स्मिथ, तियान वान वुरेन, कोडी यूसुफ।

यूनान में 30 साल बाद जीते जोकोविच, क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एथेंस। नोवाक जोकोविच ने यूनान में 30 साल से भी अधिक समय के बाद किसी शीर्ष स्तर के टेनिस टूर्नामेंट की वापसी पर शुरू में संघर्ष करने के बाद सीधे सेटों में जीत हासिल करके हेलेनिक चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यूनान में 1994 के बाद पहली बार आयोजित किए जा रहे एलीट स्तर के टूर्नामेंट के पहले दौर में चिली के एलेजांद्रो ताबिलो को 7-6 (3), 6-1 से पराजित किया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने दबाव में अपनी सर्विस बरकरार रखी, जब तक कि जोकोविच टाईब्रेकर में जीत नहीं गए। दूसरे सेट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने दो बार ताबिलो की सर्विस तोड़ी और मैच 90 मिनट में अपने नाम कर दिया। इस वर्ष की शुरुआत में अपने परिवार के साथ एथेंस में बसने वाले जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'एथेंस में खेलना वास्तव में घर जैसा लगता है। यहां के लोग मेरे साथ बहुत दोस्ताना व्यवहार करते हैं, जिसने वास्तव में मेरे दिल को छू लिया।'

राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखाई गई ब्राजीलियन मॉडल ने तोड़ी चुप्पी

-बोलीं- मेरी तस्वीर बिना पूछे खरीदी, मैं कभी भारत नहीं गई

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की बुधवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक तस्वीर ने अचानक सोशल मीडिया पर तूफ़ान खड़ा कर दिया। राहुल ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक महिला की तस्वीर दिखाते हुए दावा किया था कि बीजेपी के आईटी सेल और उससे जुड़े लोग इस महिला की तस्वीर को 'भारतीय महिला' बताकर फेक कैंपेन चला रहे हैं। राहुल के इस दावे के बाद सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया, क्योंकि कुछ ही घंटों में वही महिला सामने आ गई — और उसने खुद इस तस्वीर के बारे में खुलासा किया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में वह महिला पुर्तगाली भाषा में बोलती नज़र आई। दावा किया गया कि उसका नाम लेरिसा (Larissa) है और वह ब्राजील की रहने वाली है। वीडियो में लेरिसा ने साफ़-साफ़ कहा कि उसका भारत की राजनीति या किसी भारतीय नेता से कोई लेना-देना नहीं है। उसने बताया कि राहुल गांधी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखाई गई तस्वीर उसकी ही है, लेकिन उस तस्वीर का इस्तेमाल बिना उसकी इजाज़त के किया गया।

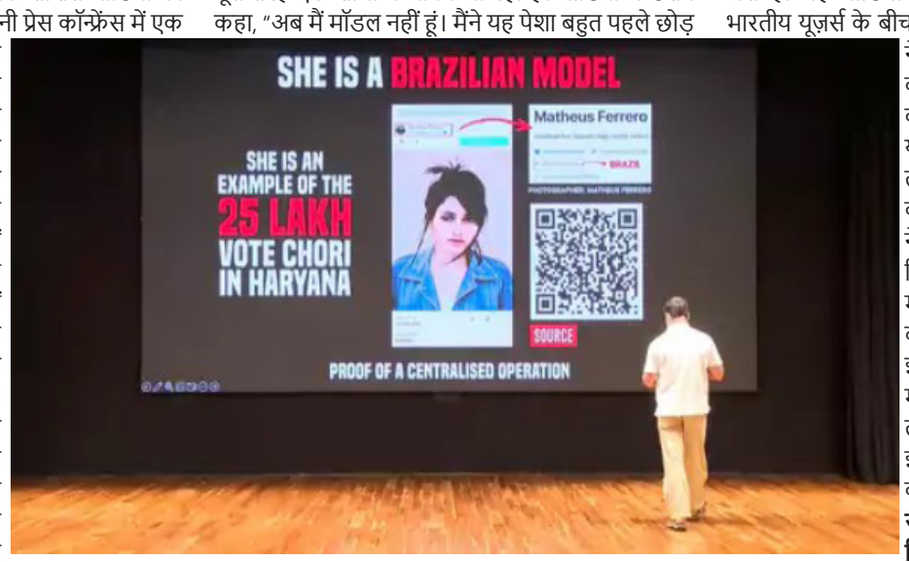

'मेरी तस्वीर स्टॉक इमेज वेबसाइट से खरीदी गई-'

लेरिसा ने अपने बयान में कहा, "भारत की राजनीति से मेरा कोई संबंध नहीं है। मेरी तस्वीर एक स्टॉक इमेज प्लेटफॉर्म से खरीदी गई है। यह तस्वीर तब की है जब मैं बहुत छोटी थी, लगभग 18 या 20 साल की। तब मैं मॉडलिंग की शुरुआत कर रही थी और बहुत-सी तस्वीरें प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स ने ली थीं। इनमें से कई तस्वीरें मैंने उन प्लेटफॉर्म्स पर अपलोड की थीं जो मॉडलों और फोटोग्राफर्स को जोड़ते हैं। बाद में वही तस्वीरें एजेंसियों ने ऑनलाइन बेच दीं, और अब वे किसी के भी उपयोग के लिए उपलब्ध हैं।"

'अब मैं मॉडल नहीं हूं'-

लेरिसा ने आगे कहा कि वह अब मॉडलिंग छोड़ चुकी है और पूरी तरह एक सामान्य जीवन जी रही है। वीडियो में उसने कहा, "अब मैं मॉडल नहीं हूं। मैंने यह पेशा बहुत पहले छोड़ दिया था। लेकिन यह देखकर हैरानी होती है कि मेरी पुरानी तस्वीर आज भी इंटरनेट पर घूम रही है और उसे भारत के राजनीतिक विवाद में घसीटा जा रहा है।"

'मेरी इजाजत के बिना तस्वीर का इस्तेमाल किया गया'-

महिला ने साफ शब्दों में कहा कि उसकी तस्वीर का इस्तेमाल बिना पूछे किया गया है। उसने कहा, "किसी ने मेरी अनुमति नहीं ली। मुझे न तो किसी भारतीय व्यक्ति ने संपर्क किया और न ही किसी पार्टी से कोई बात हुई। वे लोग मेरी तस्वीर का इस्तेमाल लोगों को गुमराह करने के लिए कर रहे हैं। यह बिल्कुल गलत है।" वीडियो में लेरिसा काफी नाराज़ नज़र आई। उसने कहा, "मैं कभी भारत भी नहीं गई। वे मुझे भारतीय बताकर लोगों को धोखा दे रहे हैं। यह सब देखकर मैं हैरान हूं। क्या पागलपन है! यह कैसा पागलपन है, हम किस दुनिया में रह रहे हैं?"

सोशल मीडिया पर फैली हलचल-

जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, भारतीय यूज़र्स के बीच इस पर बहस छिड़ गई। कई लोगों ने राहुल गांधी के कदम की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने फेक न्यूज़ की पोल खोल दी, वहीं कुछ यूज़र्स ने यह सवाल उठाया कि राहुल को यह तस्वीर दिखाने से पहले तथ्यों की पुष्टि करनी चाहिए थी। कई एक्स (X) यूज़र्स ने वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि "राहुल गांधी द्वारा दिखाई गई महिला ब्राजील की है, भारतीय नहीं।" वहीं कुछ यूज़र्स ने यह भी कहा कि इससे यह साफ़ हो गया है कि सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही "देसी" तस्वीरें और वीडियो अक्सर स्टॉक इमेजेज़ होते हैं जिनका राजनीति से कोई संबंध नहीं होता।

राहुल गांधी का फेक न्यूज़ पर निशाना-

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में फेक न्यूज़ और गलत प्रचार के मुद्दे को गंभीरता से उठाया था। उन्होंने कहा था कि "बीजेपी और उसके आईटी सेल के लोग फर्जी खबरें और झूठे दावे फैलाकर देश में नफरत का माहौल बना रहे हैं।" उन्होंने यह तस्वीर दिखाकर कहा था कि "ये तस्वीर भारत की किसी महिला की नहीं, बल्कि किसी विदेशी मॉडल की है, जिसे भारतीय बनाकर प्रचार में इस्तेमाल किया जा रहा है।" यह पहली बार नहीं है जब स्टॉक इमेजेज़ विवाद का हिस्सा बनी हों। इससे पहले भी कई देशों में ऐसी तस्वीरें गलत संदर्भ में इस्तेमाल की गई हैं। सोशल मीडिया पर फेक अकाउंट्स और AI-generated content के बढ़ते इस्तेमाल के चलते तस्वीरों की सच्चाई जांचना मुश्किल हो गया है।

मुंबई में मोनोरेल हादसा:

-ट्रायल रन के दौरान ट्रेन डिरेल होकर हवा में लटकी, तीन कर्मचारी घायल

मुंबई । मुंबई में बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा उस वक्त हो गया जब मोनोरेल ट्रेन ट्रायल के दौरान पटरी से उतरकर हवा में लटक गई। यह हादसा मुंबई के वडाला स्थित मोनोरेल डिपो में हुआ। हादसे में ट्रेन कैप्टन समेत तीन कर्मचारी घायल हो गए, जबकि गनीमत रही कि ट्रेन में कोई यात्री मौजूद नहीं था। मोनोरेल को ऑपरेट करने वाली महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MMMOCL) ने बयान जारी कर बताया कि यह ट्रेन ट्रायल रन पर थी और पूरी तरह खाली थी। हादसे के बाद तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। घायल कर्मचारियों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

हादसा कैसे हुआ?-

सूत्रों के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 9.30 बजे हुआ, जब ट्रेन को एक गाइडवे बीम से दूसरे गाइडवे बीम पर शिफ्ट किया जा रहा था। इसी दौरान ट्रेन का संतुलन बिगड़ गया और इंजन पटरी से उतरकर दो बीम के बीच हवा में लटक गया। ट्रेन कुछ देर तक हवा में झूलती रही, जिससे डिपो में मौजूद अन्य कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा इतना अचानक हुआ कि किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला। ट्रेन के अगले हिस्से ने अचानक झटका लिया और आगे की दिशा में झुक गई। इससे ट्रेन का निचला ढांचा (अंडरफ्रेम) बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरें-

हादसे के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर मोनोरेल की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो गए, जिनमें देखा जा सकता है कि ट्रेन का अगला हिस्सा हवा में लटक रहा है और थोड़ा झुका हुआ दिखाई दे रहा है। कुछ वीडियो में मौके पर मौजूद कर्मचारियों को ट्रॉली और रस्सियों की मदद से इंजन को सहारा देने की कोशिश करते हुए भी देखा गया। शाम तक MMMOCL की टीम ने एक भारी-भरकम क्रेन की मदद से ट्रेन को सुरक्षित तरीके से नीचे उतारा और पटरी से हटाया गया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे की पूरी जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

जांच के आदेश और सुरक्षा सवाल-

MMMOCL ने कहा कि यह हादसा एक ट्रायल रन के दौरान हुआ था, जो कि नियमित रखरखाव प्रक्रिया का हिस्सा होता है। फिलहाल दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में अनुमान लगाया जा रहा है कि यह तकनीकी खराबी या मानवीय त्रुटि का मामला हो सकता है। वहीं, हादसे के बाद एक बार फिर मुंबई मोनोरेल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। यह पहली बार नहीं है जब मोनोरेल सेवा में तकनीकी खामी या संचालन संबंधी समस्या आई हो।

अररिया में PM मोदी का हमला: 'जंगलराज के विकास का रिपोर्ट कार्ड जीरो

-बिहार बोले – फिर एक बार NDA सरकार'

अररिया । बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अररिया में एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत मैथिली भाषा में करते हुए कहा कि बिहार की जनता का उत्साह ही आने वाले नतीजों की तस्वीर साफ कर रहा है। उन्होंने कहा – "आज पूरे बिहार से एक ही आवाज आ रही है, फिर एक बार NDA सरकार।" मोदी ने कहा कि बिहार के लोगों ने पहले चरण की वोटिंग में ही यह संदेश दे दिया है कि उन्हें स्थिर, ईमानदार और विकासशील सरकार चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में जिन्होंने 15 साल तक जंगलराज चलाया, उनका रिपोर्ट कार्ड विकास के नाम पर शून्य है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "इन लोगों ने बिहार के नौजवानों के सपनों को कुचल दिया, महिलाओं की सुरक्षा को मज़ाक बना दिया, और भ्रष्टाचार को सरकारी संस्कृति बना दिया। अब जनता इनकी बातों में नहीं आने वाली।" प्रधानमंत्री ने अपने चिर-परिचित अंदाज़ में भीड़ से संवाद करते हुए कहा – "आप इतनी सुबह-सुबह इतनी बड़ी संख्या में यहां आए हैं, घरवालों को आज खाना मिलेगा क्या? या फिर सुबह चार बजे उठकर आपने खाना बनाकर

घर से निकला है?" इस पर सभा स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मोदी ने आगे कहा कि जनता का यह प्रेम और उत्साह बहुत कम लोगों को नसीब होता है। उन्होंने कहा कि वे हेलिकॉप्टर से जब अररिया पहुंचे तो देखा कि लोग पंडाल के बाहर तक उमड़े हुए हैं। "इतनी बड़ी भीड़ देखकर मैं हैरान था, कोई इतना विशाल पंडाल कैसे बना सकता है। लेकिन इससे यह साफ है कि बिहार ने इस बार फिर से NDA पर भरोसा जताने का मन बना लिया है।" मोदी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि "बिहार को फिर से पिछड़ेपन में नहीं धकेलना है। 15 साल के जंगलराज ने जो जख्म दिए थे, उन्हें भरने में NDA सरकार ने वर्षों की मेहनत की है। आज बिहार में सड़कें बन रही हैं, बिजली हर घर में पहुंची है, किसान को सहायता मिल रही है और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष की पार्टियों के पास अब सिर्फ जात-पात और नफरत की राजनीति बची है। "वो लोग बिहार को फिर से अंधकार में ले जाना चाहते हैं। लेकिन बिहार की जनता अब समझदार है। उसे पता है कि किसने काम किया और किसने सिर्फ झूठे वादे किए।" मोदी ने सभा के अंत में कहा, "मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, NDA सरकार बिहार के विकास के लिए हर संभव कदम उठाती रहेगी। गरीब, किसान, नौजवान, और माताओं-बहनों की भलाई के लिए जो योजनाएं शुरू की गई हैं, उन्हें और मज़बूती दी जाएगी। बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।"

तालिबान की चाय महंगी पड़ी

-डिप्टी पीएम बोले– आतंकवाद के लिए इमरान जिम्मेदार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के डिप्टी प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को संसद में बयान देते हुए स्वीकार किया कि तालिबान से दोस्ती पाकिस्तान के लिए बेहद महंगी साबित हुई है। उन्होंने कहा कि आज देश जिस आतंकवाद और अस्थिरता की मार झेल रहा है, उसकी जड़ें अफगानिस्तान से ताल्लुक रखती हैं, और इसके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान हैं। डार ने संसद में 2021 की उस मशहूर घटना का ज़िक्र किया जब तत्कालीन आईएसआई चीफ लेफ्टिनेंट जनरल फैज़ हामिद तालिबान के काबुल पर कब्जे के कुछ ही दिनों बाद अफगानिस्तान पहुंचे थे। उस वक्त मीडिया में उनकी तस्वीरें और वीडियो खूब वायरल हुए थे, जिसमें वे काबुल के एक होटल में पत्रकारों से कहते नजर आए थे—"सब ठीक हो जाएगा।" उसी दौरान उन्होंने वहां बैठकर चाय भी पी थी। डार ने इसी घटना पर तंज कसते हुए कहा—"अफगानिस्तान में पी गई उस एक कप चाय की कीमत आज पूरा पाकिस्तान चुका रहा है।" उन्होंने कहा कि उस वक्त पाकिस्तान ने तालिबान की हुकूमत को लेकर जो रवैया अपनाया, उसने देश को आतंकवाद के नए दौर में धकेल दिया। डिप्टी पीएम ने आगे कहा कि तालिबान से सहानुभूति दिखाने और उनके साथ 'दोस्ती' करने की नीति ने पाकिस्तान के भीतर आतंकवादी संगठनों को हौसला दिया। खासकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) ने अफगानिस्तान की सरहद से ताकत पाई और अब वह खुले तौर पर पाकिस्तान के खिलाफ हमले कर रहा है। उन्होंने कहा, "आज हमारे जवान रोज़ शहीद हो रहे हैं, आम लोग डर में जी रहे हैं। यह सब उस गलत नीति का नतीजा है, जिसे 2021 में इमरान खान सरकार ने बढ़ावा दिया था।"

CJI गवई का सन्देश: अदालतें न्याय का मंदिर हों, न कि सेवन स्टार होटल

मुंबई । भारत के चीफ जस्टिस (CJI) बी. आर. गवई ने एक बार फिर न्यायपालिका के प्रति अपने सादगीपूर्ण दृष्टिकोण और संवेदनशील सोच को उजागर किया है। बुधवार को मुंबई के बांद्रा इलाके में बॉम्बे हाईकोर्ट के नए परिसर की नींव रखते हुए उन्होंने कहा कि अदालतें "न्याय का मंदिर" हैं, न कि कोई "सेवन स्टार होटल"। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में जज किसी भगवान के समान नहीं हैं, बल्कि वे आम नागरिकों की सेवा करने वाले कर्मयोगी हैं।

न्यायालय का स्वरूप सादगी और सेवा का प्रतीक बने-

सीजेआई गवई ने कहा कि अदालतों का उद्देश्य न्याय प्रदान करना है, दिखावा करना नहीं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि नया भवन संविधान के मूल्यों – समानता, स्वतंत्रता, और न्याय – को दर्शाने वाला होना चाहिए। न्यायालयों को जनता की पहुँच के अनुकूल, सरल और कार्यकुशल बनाया जाना चाहिए। उनका मानना है कि न्याय का असली सम्मान तभी संभव है जब अदालतें भव्यता नहीं, बल्कि पारदर्शिता और संवेदनशीलता का प्रतीक बनें। गवई ने कहा, "कोर्ट को ऐसी जगह नहीं बनाना चाहिए जो आम नागरिकों को दूर महसूस कराए। यह न्याय का मंदिर है, जहाँ हर व्यक्ति बिना किसी भय या भेदभाव के न्याय पाने आए।" उन्होंने कहा कि आधुनिकता ज़रूरी है, लेकिन उस पर फिजूलखर्ची नहीं होनी चाहिए। "हमारा उद्देश्य चमक-दमक नहीं, न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाना है," उन्होंने जोड़ा।

न्यायपालिका में बदलाव की जरूरत पर जोर-

मुख्य न्यायाधीश ने न्यायपालिका के बदलते स्वरूप पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि अब जजों को यह समझना चाहिए कि वे समाज के सेवक हैं, शासक नहीं। अदालतों को जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए तकनीकी और मानवीय दृष्टि दोनों से संवेदनशील होना चाहिए। गवई ने कहा कि न्यायपालिका को ऐसे ढांचे की जरूरत है जो कुशल हो, पर्यावरण के अनुकूल हो और जनता के संसाधनों का सम्मान करे।

महाराष्ट्र दौरे का आखिरी अवसर-

बांद्रा में आयोजित इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, विधि मंत्री और न्यायपालिका से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। यह बतौर चीफ जस्टिस बी. आर. गवई का महाराष्ट्र का आखिरी आधिकारिक दौरा था। उन्होंने कहा कि अपने गृह राज्य में न्यायिक ढांचे में जो सुधार हुए हैं, वे संतोषजनक हैं। साथ ही, उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में महाराष्ट्र की न्यायपालिका और सशक्त बनेगी। गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। उनके बाद सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत अगले भारत के मुख्य न्यायाधीश का पद संभालेंगे।

ट्रम्प ने ममदानी पर तंज कसा:

-बोले- न्यूयॉर्क वाला मंडानी ट्रांसजेंडर अधिकारों का कम्युनिस्ट समर्थक है

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को भारतीय मूल के न्यूयॉर्क विधायक जोहरान ममदानी पर निशाना साधते हुए उनका मजाक उड़ाया। मियामी में एक बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा, "वो जो मंडानी या जो भी उसका नाम है... न्यूयॉर्क वाला... सोचता है कि मर्दों का महिलाओं के खेलों में खेलना बहुत अच्छा है।" दरअसल, ट्रम्प का यह बयान ट्रांसजेंडर अधिकारों को लेकर ममदानी के रुख पर तंज था। जोहरान ममदानी लंबे समय से ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों के समर्थक रहे हैं। उनका मानना है कि अगर कोई व्यक्ति जन्म से पुरुष है लेकिन खुद को महिला के रूप में पहचानता है, तो उसे महिलाओं की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति मिलनी चाहिए। इस मुद्दे पर अमेरिका में काफी विवाद है, क्योंकि रिपब्लिकन पार्टी और खुद ट्रम्प इस विचार के सख्त खिलाफ हैं। ट्रम्प ने अपने भाषण में ममदानी को फिर से 'कम्युनिस्ट' बताया। उन्होंने कहा, "न्यूयॉर्क का चुनाव नतीजा यह दिखाता है कि अब अमेरिकियों को कम्युनिज्म और कॉमन सेंस के बीच चुनाव करना है।" ट्रम्प ने डेमोक्रेट पार्टी पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका की परंपरागत मूल्यों को खत्म कर रही है। उन्होंने कहा, "अगर आप यह जानना चाहते हैं कि डेमोक्रेट्स अमेरिका के साथ क्या करना चाहते हैं, तो न्यूयॉर्क के नतीजों को देख लीजिए, जहां उन्होंने देश के सबसे बड़े शहर में एक कम्युनिस्ट को मेयर बना दिया।" ट्रम्प के इस बयान के बाद अमेरिकी मीडिया में बहस छिड़ गई है।

केंटकी में कार्गो प्लेन क्रैश: 9 की मौत

-डेढ़ लाख लीटर तेल फैला; 8 किमी तक अलर्ट जारी

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका के केंटकी राज्य में बुधवार शाम एक भीषण विमान हादसा हुआ। लुईविल शहर में UPS कंपनी का कार्गो प्लेन क्रैश हो गया, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 11 लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद इलाके में दहशत फैल गई है। फेडरल एविएशन अथॉरिटी (FAA) के मुताबिक, यह UPS फ्लाइट 2976 थी, जिसने मोहम्मद अली इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। विमान को होनोलुलु (हवाई) के डेनियल इनौये इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचना था। लेकिन उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद यह दुर्घटना का शिकार हो गया। स्थानीय समयानुसार शाम करीब 5:15 बजे हादसा हुआ। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दूर-दूर तक आग की तेज लपटें और मलबा नजर आ रहा है। अधिकारियों ने बताया कि विमान में करीब 38,000 गैलन यानी लगभग डेढ़ लाख लीटर ईंधन भरा हुआ था, जो टकराने के बाद धमाके के साथ आग में बदल गया। इससे आसपास के इलाके में धुआं फैल गया और आग की लपटें कई किलोमीटर दूर तक देखी गईं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, हादसे के बाद पुलिस ने एयरपोर्ट से 8 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को घर से बाहर न निकलने की हिदायत दी है। आपातकालीन टीमें मौके पर राहत-बचाव कार्य में जुटी हैं, जबकि एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। वर्तमान में FAA और नेशनल ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड (NTSB) ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती आशंका है कि विमान में तकनीकी खराबी या ईंधन रिसाव इसकी वजह हो सकता है।

बिहार चुनाव के पहले चरण में लोकतंत्र का उत्सव

-नाव पर वोटर्स, घोड़े पर पुलिस, मां को गोद में लेकर पहुंचा बेटा

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग गुरुवार को पूरे जोश और शांति के माहौल में जारी है। प्रदेश के 18 जिलों की 121 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। जहां कहीं नावों से लोग नदी पार कर बूथ तक पहुंचे, तो कहीं घोड़े पर सवार पुलिस जवान सुरक्षा का जिम्मा संभाले नजर आए। सुबह से ही मतदाताओं में लोकतंत्र के इस महापर्व को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

बुजुर्ग मां को गोद में उठाकर बूथ तक पहुंचा बेटा-

वैशाली जिले से एक भावुक करने वाली तस्वीर सामने आई। यहां एक युवक अपनी 80 साल की बुजुर्ग मां को गोद में उठाकर मतदान केंद्र तक ले गया ताकि वह अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। बूढ़ी मां की आंखों में खुशी और बेटे के चेहरे पर गर्व साफ झलक रहा था। यह दृश्य बताता है कि लोकतंत्र की जड़ें गांव-गांव तक कितनी गहरी हैं।

मुंगेर में सुरक्षाकर्मियों की मिसाल-

मुंगेर के तारापुर इलाके में एक बुजुर्ग महिला मतदाता को सुरक्षाकर्मी ने अपने कंधे पर बैठाकर बूथ तक पहुंचाया। उम्र और कमजोरी के बावजूद महिला ने कहा, "वोट देना हमारा हक है, इसे निभाना हमारा फर्ज है।" यह तस्वीर न सिर्फ प्रशासनिक जिम्मेदारी का उदाहरण बनी, बल्कि इंसानियत की भी मिसाल पेश करती है।

घोड़े पर पेट्रोलिंग करती पुलिस-

खगड़िया में वोटिंग के दौरान एक अनोखा नजारा देखने को मिला। यहां पुलिसकर्मी घोड़े पर सवार होकर गांवों में पेट्रोलिंग करते नजर आए। नदियों और कीचड़ भरे रास्तों वाले इलाकों में यह पारंपरिक तरीका सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपनाया गया। ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह की चौकसी से लोग निडर होकर मतदान कर पा रहे हैं।

नाव से पहुंचे वोटर्स-

समस्तीपुर के कुछ इलाकों में जहां सड़क संपर्क सीमित है, वहां मतदाताओं ने नाव का सहारा लिया। लोग नावों में बैठकर नदियां पार करते हुए बूथों तक पहुंचे। कई जगह महिलाएं और बुजुर्ग भी इस सफर का हिस्सा बने। इन तस्वीरों ने यह साबित किया कि चाहे रास्ते कितने भी मुश्किल हों, लोकतंत्र की आवाज़ कोई नहीं रोक सकता।

शहाबुद्दीन के गढ़ सीवान में उत्साह-

सीवान, जिसे कभी शहाबुद्दीन का गढ़ कहा जाता था, वहां भी वोटिंग को लेकर गजब का उत्साह देखने को मिला। पॉलिंग बूथों पर महिलाओं की लंबी कतारें लगीं। ज्यादातर महिलाएं बुर्के में नजर आईं और अपने पहचान पत्र हाथ में लिए बारी का इंतजार करती रहीं। प्रशासन ने यहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं ताकि मतदान शांतिपूर्ण तरीके से पूरा हो सके।

लखीसराय में नेताओं ने डाला वोट-

लखीसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सुबह-सुबह अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा, "वोट सिर्फ एक अधिकार नहीं, यह भविष्य तय करने की ताकत है।" वहीं, बिहार के डिप्टी मुख्यमंत्री विजय सिन्हा मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद मतदान केंद्र पहुंचे। उन्होंने लोगों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें।

सबसे कम उम्र की उम्मीदवार मैथिली ठाकुर ने किया मतदान-

पहले चरण की वोटिंग में सबसे कम उम्र की प्रत्याशी मैथिली ठाकुर भी चर्चा में रहीं। उन्होंने मतदान से पहले अपने घर के पास मंदिर में पूजा की और फिर बूथ पर पहुंचकर वोट डाला।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,